श्रमसाधना

हम बनेंगे आपकी आवाज
स्कैन करें और चैनल से जुड़े

shramsadhnagwl@gmai.com — श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति — www.shramsadhnanews.com

दैनिक सांध्यकालीन
RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष : 38, अंक : 62 ग्वालियर, शुक्रवार 02 अक्टूबर 2026
विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन
L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

राज्यपाल श्री पटेल सर्वधर्म प्रार्थना सभा में हुए शामिल, गांधी भवन न्यास की प्रतियोगिता विजेताओं को किया पुरस्कृत

गांधी जयंती, उच्चादर्शों को जीवन में उतारने का प्रेरणा दिवस : राज्यपाल

भोपाल जीएनएस

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि गांधी जयंती केवल महात्मा गांधी को स्मरण करने का अवसर नहीं, बल्कि उनके उच्चादर्शों को अपने आचरण में उतारने का प्रेरणा दिवस है। उन्होंने कहा कि सर्वधर्म प्रार्थना सभा में गाए जाने वाले भजनों के संदेश का प्रतिदिन चिंतन करें और उन्हें जीवन में उतारने का प्रयास करें। यही महात्मा गांधी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। राज्यपाल की प्रेरणा पर उपस्थित जनों ने क्रोध नहीं करने का संकल्प भी लिया।

राज्यपाल श्री पटेल शुक्रवार को गांधी भवन में आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभा में शामिल हुए। उन्होंने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर सूत की माला और गांधी स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने स्मार्ट टीवी का लोकार्पण किया। कार्यक्रम स्थल पर आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने 'आओ जानें गांधी को' प्रतियोगिता के पुरस्कृत छात्र-छात्राओं के साथ समूह चित्र में सहभागिता की।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि जीवन की सार्थकता अच्छा इंसान बनने और देश-समाज के लिए कार्य करने में है। जीवन में जो अच्छा है, उसे आचरण में उतारने का निरंतर प्रयास करना चाहिए और बुराई से दूर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यसन और नशे से मुक्त जीवन आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने नशा-मुक्त समाज के निर्माण का आह्वान करते हुए माँ के नाम पर एक पेड़ लगाने, उसकी देखभाल करने तथा जल और विद्युत संरक्षण के लिए प्रेरित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस 17 सितम्बर के प्रसंग में 17 अक्टूबर तक संचालित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत रक्तदान और समाजसेवा के कार्यों में सहभागिता के लिए प्रेरित किया।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि गांधी जयंती और विश्व अहिंसा दिवस पर आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभा भारत की उस महान परंपरा की कड़ी है, जिसमें सभी धर्मों के प्रति सम्मान और सद्भाव का भाव है। भारत की शक्ति विविधता में एकता में निहित है। उन्होंने पुरस्कृत विद्यार्थियों से कहा कि राष्ट्रपिता गांधी को पढ़ने के साथ उनके विचारों और आदर्शों को जीवन में उतारने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता गांधी का प्रिय भजन 'वैष्णव जन तो तेने कहिये' संत कवि नरसिंह मेहता की रचना है, जिसमें परोपकार, करुणा, सत्य, समानता, विनम्रता और निष्काम सेवा जैसे जीवन-मूल्य समाहित हैं। भजन मनुष्य को लोभ, मोह, काम, क्रोध और अहंकार से दूर रहकर सभी का सम्मान करने की प्रेरणा मिलती है।

'आओ जानें गांधी को' प्रतियोगिता के विजेताओं को किया पुरस्कृत : राज्यपाल श्री पटेल ने गांधी भवन न्यास, भोपाल द्वारा महात्मा गांधी के विचारों और आदर्शों के प्रसार के उद्देश्य से आयोजित अंतर-विद्यालयीन 'आओ जानें गांधी को' प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए। उन्होंने सहयोगी विद्यालयों के शिक्षकों, निर्णायक मंडल, पर्यवेक्षकों और स्वयं सेवकों को स्मृति-चिह्न एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया।

राम अनामय वर्ल्ड स्कूल के खेल मैदान पर होगा चयन, खिलाड़ियों का पंजीयन अनिवार्य

अंडर-15 व-18 क्रिकेट टीम के चयन ट्रायल 4 को

दतिया जीएनएस

दतिया डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से नए सत्र के लिए अंडर-15 एवं अंडर-18 क्रिकेट टीमों का चयन किया जाएगा। इसके लिए चयन ट्रायल 4 अक्टूबर 2026 को उनाव रोड स्थित राम अनामय वर्ल्ड स्कूल के खेल मैदान पर आयोजित होंगे। ट्रायल में शामिल होने के इच्छुक खिलाड़ियों के लिए पंजीयन कराना अनिवार्य किया गया है।

एसोसिएशन के सचिव संतोष लिटौरिया ने बताया कि अंडर-15 खिलाड़ियों का ट्रायल सुबह 10 बजे से शुरू होगा। इसमें 1 सितंबर

2011 से 31 अगस्त 2013 के बीच जन्मे खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। वहीं अंडर-18 खिलाड़ियों का चयन ट्रायल दोपहर 3 बजे से होगा। इसमें 1 सितंबर 2008 से पहले जन्मे खिलाड़ी पात्र नहीं होंगे।

ट्रायल में शामिल होने वाले खिलाड़ियों को अपने साथ पासपोर्ट आकार के दो फोटो, अद्यतन विवरण वाली आधार कार्ड की प्रति, डिजिटल जन्म प्रमाण पत्र तथा पिछले तीन वर्षों की अंकसूची लाना अनिवार्य होगा।

तीन-तीन सदस्यीय चयन समिति गठित : दतिया डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं दतिया विधायक घनश्याम सिंह ने दोनों आयु वर्ग की टीमों के चयन के लिए तीन-तीन सदस्यीय चयन समितियों की घोषणा की है। अंडर-15 चयन समिति में संजय रावत, आशीष पविया और विशाल श्रीवास्तव को शामिल किया गया है। वहीं अंडर-18 टीम के चयन की जिम्मेदारी पंकज भट्ट, कामेश्वर त्रिपाठी और अमित श्रीवास्तव को सौंपी गई है। एसोसिएशन ने इच्छुक खिलाड़ियों से निर्धारित समय पर मैदान पर पहुंचकर चयन प्रक्रिया में शामिल होने की अपील की है।

गांधी और शास्त्री के आदर्शों को जीवन में उतारने की अपील

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती

पर उन्हें नमन करते हुए प्रदेशवासियों से बापू के सत्य, अहिंसा, शांति, स्वच्छता और सेवा के विचारों को अपने जीवन में उतारने की अपील की। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के संकल्प के माध्यम से मानवता और विश्व शांति को नई दिशा दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि राष्ट्रपिता के विचार समाज और राष्ट्र के कल्याण के लिए निरंतर प्रेरणा देते हैं। उनके आदर्शों को आचरण में उतारकर प्रदेशवासी समाज और देश के विकास में योगदान दें। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस की भी शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न से सम्मानित स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर भी नमन किया। उन्होंने कहा कि शास्त्री जी की सादगी, सत्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण अनुकरणीय है। उनका जीवन देश के प्रति कर्तव्य और समर्पण की प्रेरणा देता है।

सन वैली केंद्र पर भारतीय योग संस्थान ने मनाया 60वां योग दिवस, साधकों ने किया योगाभ्यास

योग जीवन को उत्सव बना देता है : रेखा गुप्ता

ग्वालियर जीएनएस

भारतीय योग संस्थान के जिला ग्वालियर दक्षिण की ओर से सन वैली केंद्र पर 60वां योग दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि चंबल विकास परिषद के अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल और विशिष्ट अतिथि भारतीय योग संस्थान की प्रांतीय संगठन मंत्री रेखा गुप्ता रहीं।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में विभिन्न साधकों ने आसन एवं योगाभ्यास कराया। प्रांतीय अधिकारी रेखा गुप्ता ने प्राणायाम तथा जिला प्रधान पवन गुप्ता ने ध्यान का अभ्यास कराया। इसके बाद अतिथियों ने सरस्वती वंदना, पूजन और दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम के द्वितीय सत्र का शुभारंभ किया। ममता दुबे, प्रतिभा चौहान एवं आराधना दीक्षित ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। जीएस छाबड़ा और रानी पाठक ने स्वरचित लोकगीत प्रस्तुत किया, जबकि प्रियांशी गुप्ता ने 'अच्युतम केशवम' भजन सुनाकर खूब तालियां बटोरीं।

योग स्वास्थ्य का मूल आधार : रेखा गुप्ता ने 'स्वस्थ जीवन एवं योग' विषय पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर के लिए योग को जीवन का हिस्सा बनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि योग जीवन को उत्सव बना देता है। शरीर में कार्यरत विभिन्न तंत्रों का संचालन प्राण ऊर्जा से होता है और प्राणायाम के माध्यम से इसे नियंत्रित कर शरीर को स्वस्थ रखा जा सकता है।

मुख्य अतिथि मुकेश अग्रवाल ने योग के महत्व को समझाते हुए नारद जी का प्रसंग सुनाया। उन्होंने कहा कि मन को नियंत्रित करने का साधन योग है। योग के माध्यम से मनुष्य अपने विवेक को जागृत कर प्राण ऊर्जा को नियंत्रित करते हुए अपनी शक्ति का उपयोग निर्माणात्मक कार्यों में कर सकता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर के बिना धन, पद और प्रतिष्ठा का भी पूरा उपयोग संभव नहीं है।

इस अवसर पर मुकेश अग्रवाल को जिला प्रधान पवन गुप्ता, जिला कोषाध्यक्ष प्रमोद वर्मा, मीडिया प्रभारी गिरीश अग्रवाल एवं क्षेत्रीय प्रधानों ने स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन क्षेत्रीय प्रधान प्रतिभा चौहान ने किया। प्रमोद वर्मा एवं केआर टोपरे ने सामग्री और साहित्य के स्टॉल का संचालन किया। समापन पर मीडिया प्रभारी गिरीश अग्रवाल ने आभार व्यक्त किया। साधकों को पौष्टिक स्वल्पाहार वितरित किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर 500 से अधिक वरिष्ठजनों का सम्मान, तीन शतायु माताओं को विशेष सम्मान

वृद्धजन हमारी अमूल्य धरोहर, उनके अनुभव और आशीर्वाद से समृद्ध होता समाजः मंत्री कुशवाह

भोपाल, जीएनएस।

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि वृद्धजन हमारे परिवार और समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके जीवन का अनुभव, ज्ञान और आशीर्वाद नई पीढ़ी के लिए मार्गदर्शन का आधार है। वृद्धजनों का सम्मान केवल एक दिन तक सीमित न रहकर हमारे व्यवहार और संस्कारों का हिस्सा होना चाहिए। उन्होंने यह बात अंतर्राष्टीय वृद्ध जन्म दिवस के अवसर पर प्रशासन अकादमी के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में कहीं । कार्यक्रम में 500 से अधिक वृद्धिजनों को शाल श्रीफल देकर सम्मानित किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद श्री आलोक शर्मा ने की तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक श्री शंकर लालवानी उपस्थित थे

मंत्री श्री कुशवाह कहा कि कार्यक्रम में ऐसे वयोवृद्ध भी उपस्थित हैं, जिन्होंने अपने जीवन के 100 वर्ष पूरे किए हैं। उनके पास एक शताब्दी का अनुभव है, जिससे समाज और युवा पीढ़ी बहुत कुछ सीख सकती है। 100 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके वरिष्ठजन एक खुली किताब की तरह होते हैं। उनके साथ बैठकर, उनसे संवाद कर उनके जीवन के अनुभव और ज्ञान को आत्मसात किया जा सकता है। वरिष्ठजन परिवार से जुड़े रहें और उन्हें अनावश्यक सामाजिक बंदिशों में न बांधा जाए। जो वृद्धजन स्वस्थ हैं और काम करना चाहते हैं, उन्हें अपनी क्षमता के अनुसार सक्रिय रहने के अवसर मिलना चाहिए।

मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि भारत की पारिवारिक व्यवस्था, संस्कार और जीवन-मूल्य पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा का विषय हैं। दुनिया के कई विकसित देश भी परिवार, बुजुर्गों के सम्मान और जीवन-मूल्यों से जुड़ी भारतीय परंपराओं से सीख रहे हैं। हमें अपनी इस समृद्ध परंपरा को और मजबूत करते हुए वृद्धजनों के सम्मान और सेवा को जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश के वृद्धजनों, दिव्यांगजनों तथा अन्य सामाजिक रूप से जरूरतमंद वर्गों की आवश्यकताओं को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से पूरा करने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार का उद्देश्य है कि जरूरतमंद वर्गों तक योजनाओं का लाभ पहुंचे और उन्हें सम्मानजनक एवं बेहतर जीवन के लिए आवश्यक सहयोग उपलब्ध हो। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत भी वरिष्ठजनों के सम्मान एवं कल्याण को महत्व दिया जा रहा है। कार्यक्रम में स्वास्थ्य परीक्षण और सहायक उपकरणों की उपलब्धता इसी दिशा में किए जा रहे कार्यों का हिस्सा है। उन्होंने सभी वृद्धजनों के स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

भोपाल सांसद श्री आलोक शर्मा ने कहा कि वरिष्ठजनों ने अपने अनुभव, योगदान और संस्कारों से परिवार एवं समाज को समृद्ध किया है। उनका सम्मान और गरिमापूर्ण उपस्थिति परिवार तथा समाज की समृद्ध परंपरा का प्रतीक है। उनके जीवन का अनुभव नई पीढ़ी को निरंतर प्रेरणा देता है। विधायक श्री भगवानदास सबनानी ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत वृद्धजनों का सम्मान समाज में उनके योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। उनके अनुभव और आशीर्वाद समाज के लिए अमूल्य हैं। उन्होंने सभी वरिष्ठजनों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उनके स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कामना की। परशुराम कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष पं. श्री विष्णु राजोरिया ने अंतरराष्टीय वृद्धजन दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि माता-पिता और वृद्धजनों की सेवा एवं सम्मान हमारी संस्कृति की महत्वपूर्ण पहचान है।

सेवा-संकल्प अभियान के तहत छात्राओं को दी प्रत्यक्ष कर एवं टैक्स प्लानिंग की जानकारी

ग्वालियर, जीएनएस।

सेवा-संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत शासकीय महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, ग्वालियर में 'प्रत्यक्ष कर' विषय पर विशेष विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता सी.ए. श्री दीपक कुमार जैन ने छात्राओं को प्रत्यक्ष कर, कर व्यवस्था, वित्तीय साक्षरता एवं टैक्स प्लानिंग से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए.ए. सिद्दीकी सहित वरिष्ठ व्याख्याता डॉ. मधु, डॉ. डी.आर. वर्मा, श्री अनूप पहारिया, मुख्य लिपिक श्री बी.एस. तरेटिया, सहायक ग्रेड-2 श्री सुनील क्षीरसागर, श्री प्रांजल अष्ठाना एवं डाटा एंट्री ऑपरेटर श्री मनोज माहौर उपस्थित रहे।

विशेषज्ञ व्याख्यान के दौरान श्री दीपक कुमार जैन ने छात्राओं को कर व्यवस्था की मूलभूत जानकारी के साथ टैक्स प्लानिंग, बचत, सही निवेश तथा कर क्षेत्र में उपलब्ध करियर विकल्पों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने छात्राओं को वित्तीय एवं कर संबंधी नवीनतम जानकारी प्राप्त करने तथा अर्जित ज्ञान का व्यवहारिक जीवन में उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण फेसबुक के माध्यम से भी किया गया। व्याख्यान के दौरान छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए कर एवं टैक्स प्लानिंग से जुड़े विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञ से प्रश्न पूछे और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के स्टाफ एवं छात्राओं सहित लगभग 200 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। अंत में नोडल अधिकारी श्री अनूप पहारिया ने सभी उपस्थितजनों एवं मुख्य वक्ता का आभार व्यक्त किया।

लक्ष्य प्राप्ति के तीन मूल मंत्र: अनुशासन, मेहनत और शिक्षा- कुलगुरु डॉ. किशन यादव

ग्वालियर, जीएनएस।

जीवाजी विश्वविद्यालय में आयोजित विश्वविद्यालय स्तरीय राष्टीय सेवा योजना (एनएसएस) नेतृत्व एवं प्रशिक्षण शिविर के पंचम दिवस पर स्वयंसेवकों को आपदा प्रबंधन, उद्यमिता, नवाचार, स्वरोजगार, तथा विकसित भारत 2047 और युवा शक्ति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रबुद्धजनों ने मार्गदर्शन दिया। दिवस की शुरुआत प्रभात फेरी, योग-पीटी तथा परिसर में मानव श्रृंखला बनाकर चलाए गए सघन स्वच्छता अभियान से हुई।

बौद्धिक सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित क्रांतिवीर तात्या टोपे विश्वविद्यालय, गुना के कुलगुरु डॉ. किशन यादव ने स्वयंसेवकों को जीवन में सफलता का मूल दर्शन समझाया। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि

÷अनुशासन, मेहनत और शिक्षा ही किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति के तीन मूल मंत्र हैं।÷ उन्होंने रेखांकित किया कि प्रतिभा किसी भी दिशा में जा सकती है, लेकिन यदि उसे अनुशासन की मर्यादा, अनथक परिश्रम का संबल और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रकाश मिल जाए, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं रह जाता।

सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में पधारे उद्यमिता एवं ग्रामीण विकास केंद्र (ईआरडीसी), नागपुर के राष्टीय संयोजक आदरणीय श्री दयानिधि जी ने युवाओं को लीक से हटकर सोचने का आह्वान किया। उन्होंने आज की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों से केवल नौकरी खोजने वाला नहीं, बल्कि सामाजिक उद्यमी (सोशल एंटरप्रेन्योर) और नवाचारी बनने का आग्रह किया। मध्य प्रदेश स्टेट डिजास्टर रिस्पांस फोर्स (एसटीआरएफ) के प्लाटून कमांडर श्री धर्मेंद्र वर्मा ने स्वयंसेवकों को आपदाओं से निपटने के व्यावहारिक गुर सिखाए। उन्होंने विभिन्न मैनुअल्स और व्यावहारिक प्रयोगों के माध्यम से समझाया कि बाढ़, आगजनी, भूकंप या किसी भी अप्रत्याशित संकट के समय संयम कैसे बनाए रखें।

स्व. माधवराव सिंधिया की 25वीं पुण्यतिथि पर पौधारोपण

ग्वालियर लोगों के दिलों पर आज भी राज करने वाले,

अपनेपन और आत्मीयता की छाया देने वाले,

ग्वालियर की जनता के हृदय में सदैव जीवित रहने वाले

कै माधवराव सिंधिया जी की 25वीं पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इसी अवसर पर 1000 बिस्तर जयारोग्य अस्पताल परिसर में दिनेश जैन मित्र मंडल द्वारा अशोक वृक्षों का पौधारोपण किया गया। यह संकल्प लिया गया कि इस पौधे की निरंतर देखभाल कर इसे एक विशाल वृक्ष का रूप दिया जाएगा और महाराज साहब की स्मृति को सदैव जीवंत रखा जाएगा।

इस अवसर पर जयारोग्य अस्पताल के अधीक्षक डॉ. सुधीर सक्सेना जी एवं डॉ एम एल माहौर

मुख्य रूप से जयप्रकाश राजोरिया भाजपा जिला अध्यक्ष

अभय चौधरी पूर्व जिला अध्यक्ष अनिल सांखला पूर्व विधायक श्री रमेश अग्रवाल जी

श्री संग्राम सिंह कदम

उपस्थितः- भाजपा के वरिष्ठ नेता जंडेल सिंह, मंडल अध्यक्ष श्री अमर कुटे, गोपाल जाटव, राकेश कटारे, सुनील भदौरिया,नितिन शिवहरे जी शकुंतला तोमर जी, दिनेश तोमर जी , राजेंद्र कुशवाहा जी, विकास जैन जी, पंकज मिश्रा जी हर्षित शर्मा जी भूपेंद्र राजपूत जी विक्की पंडित जी ,फूलसिंह जी सहित अन्य गणमान्यजन।

?? महाराज माधवराव सिंधिया जी की स्मृति में लगाया गया यह पौधा उनके सेवा, स्नेह और ग्वालियर के प्रति समर्पण की याद को सदैव जीवित रखे।

एसोसिएशन ऑफ ग्वालियर यूथ सोसाइटी द्वारा गांधी-शास्त्री जयंती पर दो दिवसीय आयोजन का शुभारंभ

ग्वालियर, जीएनएस।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के पावन अवसर पर एसोसिएशन ऑफ ग्वालियर यूथ सोसाइटी द्वारा ÷स्वच्छता ही सेवा - आओ मिलकर बापू के सपनों को साकार करें÷ थीम पर आयोजित दो दिवसीय आयोजन का हर्षोल्लास के साथ शुभारंभ हुआ।

संस्था के अध्यक्ष संजय कट्ठल ने बताया कि आयोजन के प्रथम दिन 1 अक्टूबर को चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन दीनदयाल सिटी मॉल, फूड कोर्ट, थर्ड फ्लोर, शिंदे की छावनी, ग्वालियर पर किया गया। आयोजन का उद्देश्य नई पीढ़ी को बापू के स्वच्छता, सत्य और अहिंसा के विचारों से जोड़ना है। यह आयोजन पूर्णतः निःशुल्क रखा गया है।

प्रतियोगिता में शहर के विभिन्न स्कूलों के सैकड़ों बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भेंट किए गए।

चित्रांकन प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे -

वर्ग अ (5-8 साल) विषय - अपना मनपसंद कुछ भी

प्रथम - सिद्धार्थ कुशवाहा, द्वितीय - अन्या यादव, तृतीय - शिवांशी कंकर

सांत्वना - अयांश सिंह, जेसिका चौहान

वर्ग ब (9-14 साल) विषय - स्वच्छ भारत

प्रथम - अधिविका गोयल, द्वितीय - वीर गुप्ता, तृतीय - शिवांश कंकर

सांत्वना - कपिध्वज सिंह भदौरिया, मानवी नरवरिया, श्री गुप्ता

वर्ग स (15 साल से ऊपर) विषय - स्वच्छ भारत

प्रथम - आयुषी सेन, द्वितीय - स्नेहा नरवरिया, तृतीय - विवेक नरवारे

सांत्वना - निहारिका कुशवाह, प्रथम बाथम दीपक सविता चंचल कुशवाह पीयूष सिंह चौहान अंकिता शर्मा चेतना कुशवाह

इस अवसर पर संस्था के डॉ. मनीष रस्तोगी, धीरज गोयल, अशोक जैन, राजेश त्रिपाठी, मुकेश गुप्ता सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सोयाबीन उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन 3 से 17 अक्टूबर तक

भोपाल, जीएनएस। भारत सरकार की प्राइस डिफिसिट पेमेंट स्कीम (भावांतर योजना) के अंतर्गत खरीफ वर्ष 2026 (विपणन वर्ष 2026-27) में सोयाबीन फसल के लिए प्रदेश के किसानों का ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन 3 अक्टूबर से 17 अक्टूबर 2026 तक किया जाएगा। किसान सोयाबीन के पंजीयन के लिए ई-उपार्जन पोर्टल www.mpeupar-jan.nic.in पर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पंजीयन करा सकेंगे। इसके लिए जिले में निर्धारित पंजीयन केन्द्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं की गयी हैं।

पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था ग्राम पंचायत और जनपद पंचायत एवं तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर और सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र पर की गई है।

पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था: पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था एम.पी. ऑनलाईन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेन्टर कियोस्क, लोक सेवा केन्द्र और निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे पर की गई है। प्रति पंजीयन के लिये 50 रूपये से अधिक शुल्क नहीं लिया जाएगा। किसान पंजीयन के लिए भूमि संबंधी दस्तावेज़ एवं किसान के आधार कार्ड एवं अन्य फोटो पहचान पत्रों का समुचित परीक्षण कर उनका रिकॉर्ड रखा जाना अनिवार्य होगा।

सिकमी/बटाईदार/कोटवार एवं वन पट्टाधारी किसान के पंजीयन की सुविधा केवल सहकारी समिति एवं सहकारी विपणन सहकारी संस्था द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्रों पर उपलब्ध होगी। इस श्रेणी के शत-प्रतिशत किसानों का सत्यापन राजस्व विभाग द्वारा किया जाएगा।

उपार्जित फसल के भुगतान हेतु बैंक खाता

किसान द्वारा विक्रय उपज का भुगतान प्राथमिकता के आधार पर किसान के आधार लिंक बैंक खाते में किया जाएगा। किसान के आधार लिंक बैंक खाते में भुगतान करने में किसी कारण से समस्या उत्पन्न होने पर किसान द्वारा पंजीयन में उपलब्ध कराये गए बैंक खाते में भुगतान किया जा सकेगा। किसान पंजीयन के समय किसान को बैंक खाता नंबर और ढ्रस्रस्ष्ट कोड की जानकारी उपलब्ध करानी होगी। अक्रियाशील बैंक खाते, संयुक्त बैंक खाते एवं फिनो, एयरटेल, पेटीएम, बैंक खाते पंजीयन में मान्य नहीं होंगे। पंजीयन व्यवस्था में बेहतर सेवा प्राप्त करने के लिए यह जरूरी होगा कि किसान अपने आधार नंबर से बैंक खाता और मोबाईल नंबर को लिंक कराकर उसे अपडेट रखें। सभी जिला कलेक्टर्स को निर्देशित किया गया है कि जिला और तहसील स्तर पर स्थापित आधार पंजीयन केन्द्रों को क्रियाशील रखा जाए जिससे किसान वहां जाकर आसानी से अपना मोबाईल नंबर एवं बायोमेट्रिक अपडेट करा सके। इस कार्य के लिए पोस्ट ऑफिस में संचालित आधार सुविधा केन्द्र का भी उपयोग किया जा सकता है।

निगम अध्यक्ष ने किया राजा मानसिंह तोमर की प्रतिमा स्थल का निरीक्षण

ग्वालियर, जीएनएस। गांधी रोड स्थित राजा मानसिंह तोमर की प्रतिमा स्थल पर निगम अध्यक्ष की निधि से नसैनी लगाने का कार्य किया जा रहा है। जिसका निरीक्षण आज नगर निगम अध्यक्ष श्री मनोज तोमर ने किया। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन यंत्री श्री पवन शर्मा उपस्थित रहे। राजा मानसिंह तोमर की प्रतिमा की ऊंचाई अत्यधिक होने के कारण माल्यार्पण के लिए आम नागरिकों को काफी समस्या होती थी। जिसे देखते हुए नगर निगम अध्यक्ष श्री मनोज तोमर ने अध्यक्ष निधि से नसैनी लगाई जा रही है। जिसका आज निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ही निगम अध्यक्ष श्री मनोज तोमर ने कार्यपालन यंत्री श्री पवन शर्मा को निर्देश दिए कि रोटरी के जीर्णोद्धार के लिए निगम अध्यक्ष निधि से प्रस्ताव तैयार करें। जिससे उक्त रोटरी का सौंदर्यीकरण किया जा सके।

अतिक्रमण पर निगम की सख्ती, अभियान चलाकर हटाया अतिक्रमण

ग्वालियर, जीएनएस। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देषानुसार शहर को सुव्यवस्थित और अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए मदाखलत द्वारा शहर में मुख्य मार्गों से अतिक्रमण हटाया गया, साथ ही लंपीग्रस्त और घायल गोवंश के उपचार के लिए भी कदम उठाए गए। मदाखलत नोडल अधिकारी श्री केशव चौहान ने बताया कि ग्वालियर विधानसभा अंतर्गत किलागेट रोड हजीरा चौराह, चार शहर का नाका, इंटक मैदान रोड, रेल्वे स्टेषन रोड, लक्ष्मणपुरा, पडाव पर यातायात में बाधक हाथठेलों, सड़क पर रखा सामान एवं अन्य अस्थाई अतिक्रमण हटवाकर हाकर्स जोन में भिजवाया गया।

ग्वालियर पूर्व विधानसभा अंतर्गत मदाखलत अधिकारी श्री शैलेन्द्र चौहान के निर्देशन में मुरार बारादरी चौराहा से सदर बाजार अग्रसेन चौक, गणेश मंदिर गर्म सडक ,गर्ल्स कॉलेज तक एवं सिंहपुर रोड पर यातायात में बाधक हाथ ठेलो को हटवाया गया और दुकानदारो के रखे सामान को अन्दर करावाया गया और फुटपाथ क्लीयर कराया। इसके साथ ही राजा मान सिंह चौराहा से तानसेन रेजीडेंसी एवं राजमाता चौराहा तक खंभों पर लगे झंडी बैनर निकालने की कार्यवाही की गई।

दक्षिण विधानसभा अंतर्गत महाराज बाडा, सुभाष मार्केट, नजर बाग मार्केट, टोपी बाजार ,छापाखाना ,स्काउट एवं मुख्य मार्गो से हाथ ठेला, फुटपाथियों को हटाकर मुख्यमार्ग क्लीयर करवाया गया एवं कदम साहब का बाडा वार्ड 41 में क्षेत्राधिकारी के निर्देशन में अवैध रूप से चबूतरे का निर्माण कार्य बंद करवाया और चबूतरे को तोड़ने की कार्यवाही की और कंपू खेल परिसर के दीवार से रखा बंद टूटा हुआ हाथ ठेला को जब्त कर मदाखलत कार्यालय भेजा गया । इसके साथ ही कंट्रोल रूम पर प्राप्त शिकायतों के आधार पर शहर भर से लम्पी ग्रस्त गोवंश को उठाकर उपचार हेतु आइसोलेशन सेंटर रतवाई गौशाला छोडा गया एवं घायल बीमार गोवंश को उपचार हेतु लाल टिपारा गौशाला छोडा गया ।

खाद्य पदार्थों की जाँच में 25 प्रकरणों में 9.65 लाख रुपए का जुर्माना

दही, पनीर, घी, मावा सहित कई खाद्य पदार्थ अमानक मिले, बिना लाइसेंस कारोबार पर भी कार्रवाई

ग्वालियर, जीएनएस। ग्वालियर जिले में खाद्य पदार्थों की नियमित जाँच का अभियान कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर चलाया जा रहा है। खाद्य विभाग के दल द्वारा नियमित खाद्य पदार्थों की सेम्पलिंग का कार्य भी किया जा रहा है। इसी कड़ी में ग्वालियर में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा अमानक व मिथ्याछाप स्तर के खाद्य पदार्थ विक्रय करने वाले खाद्य कारोबारियों पर 25 प्रकरणों में सुनवाई उपरांत अपर जिला मजिस्ट्रेट द्वारा आदेश पारित कर 9 लाख 65 हजार रुपए का जुर्माना आरोपित किया है। अपर जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय से जारी आदेश में जिन 25 प्रकरणों में जुर्माना अरोपित किया गया है उनमें जिन खाद्य पदार्थों को अमानक पाया गया था उनमें दही, पनीर, घी, मिल्क क्रीम, मावा, सरसों तेल, अमानक धनिया पाउडर, दूध, अमानक उड़द, लाल मिर्च पाउडर, काजू, मावा आदि शामिल हैं। इनमें तीन खाद्य व्यापारियों पर बिना लायसेंस के व्यापार करने पर भी जुर्माने की कार्रवाई की गई है। अपर जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय से जिन फर्मों के विरूद्ध जुर्माना आरोपित किया गया है, उनमें सांई डेयरी एण्ड स्वीट्स समाधिया कॉलोनी, जय श्री राम दूध डेयरी काली माता मंदिर के सामने सुभाष नगर हजीरा, श्री गरगज डेयरी सरदार की मल्टी के पास अजयपुर सिकन्दर कम्पू, द लिक्विड लाँज कालरा हाइट्स एजी ऑफिस रोड चेतकपुरी, शिवम डेयरी गोल पहाड़िया एबी रोड लश्कर, विधिचन्द धर्मशाला पब्लिक ट्रस्ट स्टेशन बजरिया, द शाह इम्पीरियल डीडी मॉल के पीछे नौगजा रोड शिंदे की छावनी, भगवती फैनी घेवर भण्डार दानाओली, भूपेन्द्र किराना एवं जनरल स्टोर नाका चंद्रबदनी, निशा बेवरेज बहादुरनगर सागरताल चौराहा, श्रीराम मिष्ठान भण्डार एवं नाश्ता सेंटर बंशी पैलेस खुरैरी चौराहा, दूध विक्रेता सत्तार अली ग्राम रौरा तहसील मुरार, श्री श्याम डेयरी रजमन वाली माता के पास सागरताल, मुगल दरबार वार्ड-19 अनुपम नगर सिटी सेंटर आदि।

शहर से साफ किए 6 ब्लैक स्पॉट

ग्वालियर। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देश पर शहर को कचरा ब्लैक स्पॉट मुक्त बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत लंबे समय से कचरा जमा होने वाले स्थानों की सफाई कर उन्हें ब्लैक स्पॉट से मुक्त किया जा रहा है। बुधवार को निगम की टीम ने अलग-अलग क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए 6 ब्लैक स्पॉट समाप्त किए। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने बताया कि अभियान के तहत बघेल बस्ती, गेंडे वाली सडक, गुरुनानक नगर, गीता कॉलोनी सहित कई स्थलों पर सफाई कर वर्षों से जमा कचरे को हटाया गया। इन स्थानों की सफाई के साथ आसपास के क्षेत्र को भी व्यवस्थित किया गया। निगम की टीम ने स्थानीय लोगों को समझाइश दी कि वे खुले स्थानों पर कचरा न डालें और कचरा केवल निगम के कचरा वाहनों में ही दें।

अपर आयुक्त ने किया निरीक्षण खामियां मिलने पर अधिकारियों को लगाई फटकार

ग्वालियर, जीएनएस। सभी रहवासी संघ एवं सोसायटी सुनिश्चित करें कि उनके यहां सूखा और गीला कचरा अलग-अलग करें और गीले कचरे का निष्पादन सोर्स स्थल पर ही हो। उक्ताशय के निर्देश अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव ने आज क्षेत्रीय कार्यालय 14 अंतर्गत वार्ड 60 की विभिन्न सोसायटियों में भ्रमण के दौरान संबंधित अधिकारियों एवं रहवासी संघों को दिए। सीईओ स्मार्ट सिटी एवं अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव ने आज सुबह वार्ड 60 स्थित सन वैली, दा पाम रेजीडेंसी, ईस्ट पार्क एवेन्यू एवं न्यूट्रिक सोसायटी में कचरा सेग्रीकेषन को लेकर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डोर टू डोर गाड़ियों द्वारा सोसायटी से मिक्स कचरा एकत्रित किया जा रहा था। जिसको लेकर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोई भी सोसायटी यदि सूखा गीला कचरा अलग नहीं करती है तो उनका कचरा कलेक्ट नहीं करना है और गीले कचरे का निष्पादन स्वयं सोसायटी के रहवासी संघ द्वारा किया जाएगा। इसके साथ ही निरीक्षण के दौरान रजिस्ट्रार कार्यालय वाली रोड पर बने वाटर हार्वेस्टिंग का ढक्कन टूटा होने पर तत्काल ठीक कराने के निर्देश क्षेत्राधिकारी को दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव ने सभी रहवासी संघों से आग्रह किया कि सभी निवासी अपने यहां अलग-अलग डस्टबिन रखें और सूखा एवं गीला कचरा अलग-अलग करके ही डालें। निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी सुश्री तनुजा वर्मा, स्वास्थ्य अधिकारी श्री भीष्म पमनानी सहित स्मार्ट सिटी के अधिकारी उपस्थित रहे। स्मार्ट सिटी सीईओ श्री टी प्रतीक राव ने रजिस्टार ऑफिस के सामने पहाडी पर स्मार्ट सिटी द्वारा 12 बीघा जमीन पर प्रस्तावित इंडोर स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स की जगह का मुआयना किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां पर गंदगी इत्यादि को संबंधित निगम अधिकारियों को साफ कराने के निर्देश दिये। इसके साथ ही कचरा डालने वाले लोगों पर कार्रवाई के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर सीईओ श्री राव ने प्रस्तावित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की जमीन और उस पर बनाये जाने वाले स्पोर्ट काम्प्लेक्स की ड्राइंग और प्रस्तावित सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली।

भिण्ड-गोरमी के समाचार विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

निष्पक्षता-विश्वसनीयता एवं जनहित का संवाहक
श्रमसाधना

संपादकीय

डॉलर का दबदबा बरकरार, लेकिन दुनिया अब अमेरिका के इशारे पर नहीं

वॉशिंगटन के जॉइंट बेस एंड्रयू पर शी जिनपिंग के विमान से उतरते ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का उनका स्वागत करना और उसके बाद व्हाइट हाउस में राजकीय भोज तथा सैन्य सम्मान कई सवाल खड़े करता है। क्या अमेरिका को चीन के सहयोग की जरूरत बढ़ रही है? यदि अमेरिकी डॉलर की वैश्विक स्थिति को बनाए रखने में चीन की भूमिका महत्वपूर्ण है, तो बीजिंग अपने हितों को नजरअंदाज क्यों करेगा?

यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रीय कर्ज सितंबर 2026 में 40.10 ट्रिलियन डॉलर को पार कर चुका है। पिछले एक वर्ष में इसमें 2.67 ट्रिलियन डॉलर की वृद्धि हुई। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष भी अमेरिकी सार्वजनिक कर्ज और अल्पकालिक कर्ज पर बढ़ती निर्भरता को वैश्विक वित्तीय स्थिरता के लिए जोखिम बता चुका है। इसके बावजूद डॉलर की स्थिति अभी मजबूत है। 2026 की पहली तिमाही में दुनिया के आधिकारिक विदेशी मुद्रा भंडारों में डॉलर की हिस्सेदारी 57.13 प्रतिशत थी।

अमेरिका की आर्थिक ताकत का बड़ा आधार डॉलर की यही वैश्विक भूमिका है। दुनिया के केंद्रीय बैंक डॉलर रखते हैं, अंतरराष्ट्रीय व्यापार का बड़ा हिस्सा डॉलर में होता है और संकट के समय अमेरिकी ट्रेजरी प्रतिभूतियों को सुरक्षित परिसंपत्ति माना जाता है। अप्रैल 2025 में वैश्विक विदेशी मुद्रा बाजार में प्रतिदिन करीब 9.6 ट्रिलियन डॉलर का कारोबार हुआ और 89.2 प्रतिशत लेन-देन में डॉलर एक पक्ष था। इस व्यवस्था ने अमेरिका को लंबे समय तक अपनी आय से अधिक खर्च करने की सुविधा दी। अमेरिका बड़े पैमाने पर वस्तुओं का आयात करता है, व्यापार घाटा चलाता है और बदले में दुनिया अमेरिकी वित्तीय परिसंपत्तियां खरीदती है। यानी अमेरिका दुनिया से सामान लेता है और दुनिया उसके वित्तीय दावों को अपने पास रखती है। चीन इस व्यवस्था में अमेरिका का रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी भी है और महत्वपूर्ण आर्थिक भागीदार भी। इसलिए चीन द्वारा अमेरिकी वित्तीय परिसंपत्तियों में अपनी भूमिका में अचानक बदलाव का असर केवल अमेरिका पर नहीं, बल्कि वैश्विक बाजारों पर भी पड़ सकता है। चीन भी धीरे-धीरे विकल्प तैयार कर रहा है। हालांकि वैश्विक आधिकारिक भंडारों में चीनी रेनमिन्बी की हिस्सेदारी अभी 1.99 प्रतिशत ही है, लेकिन 2025 में वैश्विक विदेशी मुद्रा कारोबार में उसकी हिस्सेदारी 8.5 प्रतिशत तक पहुंच गई। अमेरिकी नीति में भी यही विरोधाभास दिखाई देता है। अमेरिका चीन से अधिक अमेरिकी वस्तुएं खरीदने, व्यापार घाटा घटाने और डॉलर को मजबूत बनाए रखने की अपेक्षा करता है, वहीं चीन की तकनीकी क्षमता को सीमित करने का प्रयास भी करता है। उसे चीन से दुर्लभ मृदा तत्वों की आपूर्ति चाहिए, लेकिन उन्नत तकनीक तक चीन की पहुंच रोकनी है। एक ओर शुल्क और प्रतिबंध हैं, तो दूसरी ओर कूटनीतिक संवाद। ट्रम्प द्वारा शी जिनपिंग का गर्मजोशी से स्वागत इसी बदलती वैश्विक आर्थिक व्यवस्था का प्रतीक माना जा सकता है। अमेरिका अभी भी सबसे प्रभावशाली आर्थिक और वित्तीय शक्ति है, लेकिन वैश्विक व्यवस्था अब केवल उसके फैसलों से संचालित नहीं होती। डॉलर की स्थिति मजबूत बनी हुई है, लेकिन उसकी भविष्य की कहानी में चीन समेत दूसरी उभरती शक्तियों की भूमिका लगातार बढ़ रही है।

गांधी जयंती पर विशेष

सिर्फ इतिहास नहीं, युवा पीढ़ी के लिए जीवंत प्रेरणा हैं गांधी

योगेश कुमार गोयल

महात्मा गांधी भारतीय इतिहास के ऐसे व्यक्तित्व हैं, जिन्हें केवल स्वतंत्रता आंदोलन के नेता के रूप में याद करना उनके विराट योगदान को सीमित कर देना होगा। गांधी का जीवन सत्य, अहिंसा, आत्मअनुशासन, स्वावलंबन, सामाजिक समरसता और नैतिक साहस का ऐसा उदाहरण है, जिसकी प्रासंगिकता समय के साथ कम होने के बजाय नए संदर्भों में और बढ़ती दिखाई देती है। आज जब युवा पीढ़ी तेजी से बदलती तकनीक, प्रतिस्पर्धा और सूचनाओं की बाढ़ के बीच अपने भविष्य की राह तलाश रही है, तब गांधी के विचार उसे जीवन जीने की एक अलग दृष्टि दे सकते हैं।

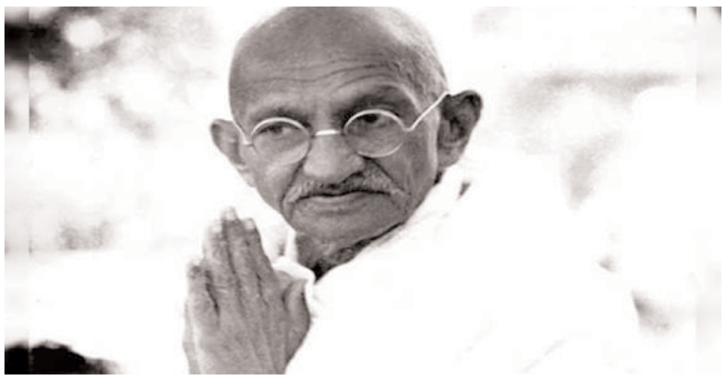

गांधी का सबसे बड़ा संदेश था कि साधन और साध्य दोनों पवित्र होने चाहिए। किसी लक्ष्य को हासिल करने के लिए अपनाया गया रास्ता भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना स्वयं लक्ष्य। आज की प्रतिस्पर्धी दुनिया में सफलता को अक्सर केवल परिणामों से मापा जाता है। ऐसे समय में गांधी का यह विचार युवाओं को याद दिलाता है कि सफलता के साथ चरित्र, ईमानदारी और नैतिकता भी जरूरी है।

गांधी ने सत्य को अपने जीवन का आधार बनाया। उनके लिए सत्य केवल बोलने की चीज नहीं, बल्कि आचरण का विषय था। उन्होंने अपने सार्वजनिक और निजी जीवन में आत्मपरीक्षण को महत्व दिया। आज सामाजिक माध्यमों के दौर में जब अधूरी या गलत सूचनाएं तेजी से फैलती हैं, तब तथ्य की जांच, सत्य के प्रति प्रतिबद्धता और जिम्मेदार अभिव्यक्ति का महत्व और बढ़ जाता है। युवा यदि गांधी के सत्य के आग्रह को अपने जीवन में उतारें तो व्यक्तिगत और सामाजिक दोनों स्तरों पर सकारात्मक बदलाव संभव है।

गांधी का अहिंसा का विचार भी केवल हिंसा न करने तक सीमित नहीं था। अहिंसा का अर्थ दूसरों के प्रति सम्मान, संवाद और सह-अस्तित्व की भावना से भी था। असहमति लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है, लेकिन असहमति को शत्रुता में बदल देना समाज को कमजोर करता है। वर्तमान समय में वैचारिक मतभेदों के बीच संवाद की संस्कृति को मजबूत करना गांधी के विचारों की सबसे महत्वपूर्ण प्रासंगिकताओं में से एक हो सकता है।

गांधी ने स्वदेशी और स्वावलंबन पर भी जोर दिया। चरखा उनके लिए केवल कपड़ा बनाने का साधन नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता, श्रम की प्रतिष्ठा और आर्थिक स्वतंत्रता का प्रतीक था। आज जब भारत आत्मनिर्भरता, स्थानीय उत्पादन, नवाचार और उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ने की कोशिश कर रहा है, तब गांधी के स्वावलंबन के विचार को आधुनिक संदर्भ में समझने की आवश्यकता है। युवा केवल नौकरी खोजने वाले नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाले भी बन सकते हैं।

गांधी का जीवन सादगी का भी संदेश देता है। उन्होंने दिखाया कि प्रभावशाली जीवन जीने के लिए भौतिक प्रदर्शन आवश्यक नहीं है। आज उपभोक्तावाद और दिखावे की संस्कृति के बीच सादगी का अर्थ पीछे लौटना नहीं, बल्कि आवश्यक और अनावश्यक के बीच अंतर समझना हो सकता है। सीमित संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी भी गांधी के विचारों से जुड़ती है।

सामाजिक समानता गांधी के चिंतन का महत्वपूर्ण पक्ष थी। वे समाज के कमजोर और वंचित वर्गों के उत्थान को आवश्यक मानते थे। उनका मानना था कि देश की प्रगति का आकलन इस आधार पर भी होना चाहिए कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ कितना पहुंचा है। आज सामाजिक असमानता, शिक्षा, रोजगार और अवसरों से जुड़े प्रश्नों के बीच यह विचार नई पीढ़ी के लिए महत्वपूर्ण है।

गांधी को केवल प्रतिमा, तस्वीर, डाक टिकट या जयंती समारोह तक सीमित कर देना उनके विचारों के साथ न्याय नहीं होगा। गांधी को समझने का बेहतर तरीका उनके जीवन, संघर्षों और विचारों को पढ़ना तथा उनके सिद्धांतों को वर्तमान परिस्थितियों में परखना है। युवा पीढ़ी के लिए गांधी का महत्व इस बात में है कि उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया।

गांधी का जीवन यह सिखाता है कि परिवर्तन केवल सत्ता या व्यवस्था से नहीं आता। एक व्यक्ति अपने आचरण से भी समाज में बदलाव की शुरुआत कर सकता है। सत्य बोलने का साहस, गलत के खिलाफ शांतिपूर्ण ढंग से आवाज उठाना, श्रम का सम्मान करना, प्रकृति की चिंता करना और समाज के कमजोर व्यक्ति के प्रति संवेदनशील होना–ये ऐसे मूल्य हैं, जिनकी जरूरत किसी भी आधुनिक समाज को हमेशा रहेगी।

परंपरा से आगे : क्या संस्कृत दैनिक जीवन में अपना स्थान बना सकती है?

डॉ. विजय गर्ग

संस्कृत को अक्सर विश्व की महान शास्त्रीय भाषाओं में से एक के रूप में प्रस्तुत किया जाता है–एक ऐसी भाषा, जिसका संबंध प्राचीन भारतीय साहित्य, दर्शन, गणित, खगोल विज्ञान, व्याकरण, चिकित्सा और आध्यात्मिक परंपराओं से रहा है। हालांकि, बहुत से लोगों के लिए संस्कृत आज भी मुख्यतः पाठ्यपुस्तकों, मंदिरों, धार्मिक अनुष्ठानों और शैक्षणिक संस्थानों तक सीमित है। ऐसे में एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है–क्या संस्कृत अपनी पारंपरिक छवि से आगे बढ़कर आधुनिक दैनिक जीवन में सार्थक स्थान बना सकती है?

इसका उत्तर यह नहीं है कि संस्कृत उन भाषाओं का स्थान ले, जिन्हें लोग आज बोलते हैं। इसके बजाय, इसका भविष्य ज्ञान, संस्कृति, रचनात्मकता और संचार की एक अतिरिक्त भाषा के रूप में विकसित होने में हो सकता है।

असाधारण विरासत वाली भाषा

भारत के बौद्धिक इतिहास में संस्कृत का विशिष्ट स्थान है। दर्शन, तर्कशास्त्र, व्याकरण, गणित, खगोल विज्ञान, चिकित्सा, काव्य और राजनीतिक चिंतन से संबंधित अनेक ग्रंथ संस्कृत में सदियों तक लिखे गए। विशेष रूप से पाणिनि से जुड़ी व्याकरण परंपरा भाषा की संरचना और शुद्धता के प्रति असाधारण रुचि को दर्शाती है।

संस्कृत के पास विशाल साहित्यिक विरासत भी है। महाकाव्य, शास्त्रीय काव्य, दार्शनिक ग्रंथ, नाटक और ज्ञान-विज्ञान से संबंधित रचनाएं भारत के बौद्धिक और सांस्कृतिक विकास के विभिन्न पक्षों को सामने रखती हैं।

लेकिन केवल विरासत किसी भाषा के भविष्य की गारंटी नहीं हो सकती। कोई भाषा तब अधिक मजबूती से जीवित रहती है, जब लोगों के पास उसे प्रयोग करने के कारण होते हैं।

यहीं से आधुनिक संस्कृत को लेकर चर्चा शुरू होती है।

अनुष्ठान की भाषा से जीवंत भाषा तक

किसी भाषा का सम्मान किया जा सकता है, भले ही उसे बहुत कम लोग बोलते हों। संग्रहालय प्राचीन वस्तुओं को सुरक्षित रखते हैं, पुस्तकालय पांडुलिपियों का संरक्षण करते हैं और स्मारक स्थापत्य विरासत को संभालकर रखते हैं। लेकिन एक जीवंत भाषा के लिए इससे अधिक आवश्यक है–नियमित मानवीय संवाद।

यदि संस्कृत को दैनिक जीवन में अधिक दिखाई देना है, तो उसका प्रयोग केवल औपचारिक अनुष्ठानों में नहीं, बल्कि सामान्य परिस्थितियों में भी होना चाहिए।

कल्पना कीजिए कि संस्कृत का प्रयोग कभी-कभी स्कूल की बातचीत, बच्चों के खेल, डिजिटल शिक्षण मंचों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, पॉडकास्ट, लघु फिल्मों, सोशल मीडिया सामग्री और परिवार के सरल संवादों में होने लगे। इसके लिए हर व्यक्ति का संस्कृत का विद्वान होना आवश्यक नहीं है।

उद्देश्य केवल भाषा को सरल और सुलभ बनाना हो सकता है।

एक बच्चा यदि संस्कृत के दस उपयोगी वाक्य सीखता है, तो उसका अनुभव उस विद्यार्थी से अलग होगा जो हजारों व्याकरणिक नियमों का अध्ययन करता है। दोनों का अपना महत्व है, लेकिन पहला तरीका भाषा के साथ अधिक स्वाभाविक संबंध बना सकता है।

संस्कृत और शिक्षा

संस्कृत को समकालीन पहचान देने में शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

संस्कृत को केवल परीक्षा के लिए याद किए जाने वाले विषय के रूप में प्रस्तुत करने के बजाय, इसे उन विषयों से जोड़ा जा सकता है जिनमें विद्यार्थी पहले से रुचि रखते हैं। संस्कृत की शब्दावली का अध्ययन विज्ञान, गणित, साहित्य, दर्शन और कंप्यूटर विज्ञान के साथ किया जा सकता है।

विद्यार्थी यह देख सकते हैं कि प्राचीन भारतीय ग्रंथों में संख्याओं, खगोल विज्ञान, चिकित्सा या तर्क से संबंधित विषयों पर किस प्रकार चर्चा हुई, साथ ही उन्हें ऐतिहासिक विचारों और आधुनिक वैज्ञानिक ज्ञान के बीच अंतर समझने का अवसर भी मिलना चाहिए। डिजिटल उपकरण इस प्रक्रिया को और रोचक बना सकते हैं। इंटरैक्टिव शब्दकोश, उच्चारण संबंधी ऐप, संवादात्मक अभ्यास, ऑडियो पाठ, खेल और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित भाषा-शिक्षण उपकरण विद्यार्थियों को बिना भय के संस्कृत सीखने में सहायता कर सकते हैं।

कक्षा में संस्कृत को केवल पूरा किया जाने वाला पाठ्यक्रम नहीं, बल्कि खोजी और समझी जाने वाली भाषा बनाया जाना चाहिए।

तकनीक में संस्कृत तकनीक वास्तव में शास्त्रीय भाषाओं के लिए नए अवसर पैदा कर सकती है।

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530
प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209
प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345
Email:shramsadhnagwl@gmail.com

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस का मुख्य कार्यक्रम भोपाल में

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर 100 वर्ष या अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक होंगे 'शतायु सम्मान' से सम्मानित

भोपाल, जीएनएस। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह के मुख्य आतिथ्य में एक अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित होगा। वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, स्वास्थ्य और गरिमापूर्ण जीवन के संकल्प पर आधारित कार्यक्रम आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन अकादमी, भोपाल के स्वर्ण जयंती सभागार में प्रातः 11 बजे होगा। कार्यक्रम में 500 से अधिक वरिष्ठजन एवं गणमान्य नागरिक शामिल होंगे। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर प्रदेश के सभी जिलों में वरिष्ठ नागरिकों के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

प्रदेश के प्रत्येक जिले में 100 वर्ष अथवा उससे अधिक आयु पूरी कर चुके वरिष्ठ नागरिकों को चिन्हित कर 'शतायु सम्मान' से सम्मानित किया जाएगा। शतायु वरिष्ठजनों को शॉल और श्रीफल भेंट कर उनके दीर्घ जीवन और समाज को दिए योगदान का अभिनंदन किया जाएगा। वृद्धाश्रमों में निवासरत वरिष्ठजनों तथा अन्य बुजुर्गों से संवाद कर उनकी आवश्यकताओं और समस्याओं की जानकारी भी ली जाएगी।

वरिष्ठजनों की सक्रिय सहभागिता और मनोरंजन के लिए कैरम, लूडो, शतरंज, गीत-संगीत सहित विभिन्न इंडोर गतिविधियां और प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। इन आयोजनों का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को सामाजिक रूप से सक्रिय रखने के साथ उनके बीच संवाद और सहभागिता का वातावरण तैयार करना है।

स्वास्थ्य जांच से लेकर डिजिटल साक्षरता तक विशेष पहल: वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, जिला चिकित्सालयों, सिविल डिस्पेंसरी और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के समन्वय से विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाए जाएंगे। इनमें रक्तचाप, मधुमेह, नेत्र परीक्षण सहित सामान्य स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

बदलते डिजिटल परिवेश में वरिष्ठ नागरिकों को सक्षम बनाने के लिए मोबाइल फोन, इंटरनेट, डिजिटल सेवाओं और कम्प्यूटर के उपयोग संबंधी प्रशिक्षण एवं जागरूकता शिविर भी आयोजित किए जाएंगे। इससे वरिष्ठजन डिजिटल सेवाओं का अधिक सहजता से उपयोग कर सकेंगे।

वरिष्ठ नागरिकों को माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम-2007 एवं मध्यप्रदेश नियम-2009 के अंतर्गत उपलब्ध अधिकारों, सहायता और शिकायत निवारण व्यवस्था की जानकारी दी जाएगी। उनकी समस्याओं और शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए संचालित एल्डरलाइन हेल्प लाइन 14567 के संबंध में भी व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। वर्ष 2026 की अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की थीम ÷गरिमा के साथ वृद्धावस्थाः वृद्ध नागरिकों के लिए देखभाल और समर्थन प्रणालियों को मजबूत करने का महत्व÷ को केंद्र में रखते हुए प्रदेशभर के आयोजनों में वरिष्ठजनों के सम्मान, देखभाल, स्वास्थ्य, अधिकार और सामाजिक सहभागिता पर विशेष जोर रहेगा। जिला स्तरीय कार्यक्रमों में मंत्री, सांसद, विधायक और अन्य जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया है।

एक माह में हटाई 1 लाख 67 हजार डुप्लीकेट समग्र आईडी

ग्वालियर। नगर निगम क्षेत्र में सरकारी योजनाओं के सही और पारदर्शी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए चलाए जा रहे समग्र ई-केवाईसी सत्यापन अभियान के तहत सितम्बर माह में सभी 25 क्षेत्रीय कार्यालय के अंतर्गत 1,67,000 अमान्य समग्र आईडी को सिस्टम से डिलीट कर दिया गया है। इनमें डुप्लीकेट, स्थान बदलने, मृत व्यक्तियों के नाम पर दर्ज आईडी शामिल हैं। नोडल अधिकारी जनकल्याण श्री प्रशांत बरैया ने बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार नगर निगम द्वारा डुप्लीकेट समग्र आईडी की जांच की जा रही है। जांच के दौरान 1,67,000 अमान्य समग्र आईडी पाई गई हैं, जिन्हें डिलीट किया गया है। जनकल्याण विभाग की टीमों द्वारा किए गए ई-केवाईसी भौतिक सत्यापन और आधार सीडिंग के दौरान पाया गया कि डुप्लीकेट आईडी एक ही व्यक्ति के नाम से दो या उससे अधिक समग्र आईडी एक्टिव थीं।

'आंगनबाड़ी मिलन सेवा' कार्यक्रम में बच्चों को फल-मिठाई वितरित, लाड़ली बालिकाओं को मिले प्रमाण-पत्र

ग्वालियर, जीएनएस। परियोजना शहरी-01 के अंतर्गत आने वाले विभिन्न वार्डों में बुधवार को आंगनबाड़ी मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य अतिथियों ने सहभागिता कर आंगनबाड़ी केंद्रों की गतिविधियों का अवलोकन किया।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों को फल एवं मिठाई का वितरण किया गया। वहीं लाड़ली बालिकाओं को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। अतिथियों द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों में वृक्षारोपण भी किया गया। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं का सम्मान किया गया। वार्ड क्रमांक 03 में अतिथि श्री विनय जैन एवं

संयोजिका श्रीमती अंजू दीक्षित उपस्थित रहीं। वार्ड क्रमांक 02 में श्रीमती प्रिया तोमर, श्री बिरजू शिवहरे तथा संयोजिका श्रीमती सुनीता शर्मा एवं श्रीमती सुधा परिहार ने सहभागिता की। वार्ड क्रमांक 04 में श्री अशोक शर्मा, श्री अमित जैन, संयोजिका श्रीमती रिया शर्मा एवं श्रीमती उर्मिला भदौरिया उपस्थित रहे।

इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 06 में श्री अभय चौधरी, श्री धर्मेंद्र बिट्टू तोमर, संयोजिका श्रीमती नेहा शर्मा एवं श्रीमती प्रीति अरोरा उपस्थित रहीं। वार्ड क्रमांक 08 में श्रीमती हेमलता बुधौलिया एवं संयोजिका श्रीमती माया शर्मा, जबकि वार्ड क्रमांक 10 में श्रीमती खुशबू गुप्ता एवं श्रीमती प्रीति थोराट उपस्थित रहीं। वार्ड क्रमांक 11 में श्रीमती नीलिमा शिंदे एवं संयोजिका श्रीमती अरुणा परमार, वार्ड क्रमांक 12 में श्री जवाहर प्रजापति एवं संयोजिका श्रीमती प्रेमलता तोमर तथा वार्ड क्रमांक 13 में श्रीमती ऊषा चौहान एवं संयोजिका श्रीमती निशा गुप्ता उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों एवं लाड़ली बालिकाओं को प्रोत्साहित करने के साथ आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के योगदान को सम्मानित किया गया। वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया।

ध्श्वष्ट ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग, ग्वालियर में कांग्रेस का कलेक्ट्रेट घेराव

ग्वालियर, जीएनएस। एंकर- ग्वालियर में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन किया। शहर और ग्रामीण कांग्रेस के संयुक्त नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने जिला निर्वाचन कार्यालय और कलेक्ट्रेट का घेराव किया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला भी फूंका। कांग्रेस ने मतदाता सूची में बदलाव और स्ढ्ढक्रप्रक्रिया को लेकर पारदर्शिता तथा स्वतंत्र समीक्षा की मांग उठाई।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर ग्वालियर में शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुरेंद्र यादव और ग्रामीण जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रभूदयाल जौहरे के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता जिला न्यायालय गेट से कलेक्ट्रेट और जिला निर्वाचन कार्यालय की ओर पहुंचे। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए उनका पुतला दहन किया। कांग्रेस नेताओं ने मतदाता सूची में बदलाव और निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर सवाल उठाए। कांग्रेस का कहना है कि मतदाता सूची में हुए बदलावों की स्वतंत्र समीक्षा होनी चाहिए और चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए।

बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ जर्जर हालत में दौड़ रही स्कूल बस की तस्वीर आई सामने

डबरा, जीएनएस। बच्चों को सुरक्षित स्कूल पहुंचाने की जिम्मेदारी उठाने वाली एक स्कूल बस की जर्जर और क्षतिग्रस्त हालत ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सामने आई तस्वीर में बस का पिछला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त दिखाई दे रहा है, वहीं दरवाजे और बॉडी भी खराब हालत में नजर आ रहे हैं।

बस के दरवाजे को रस्सी के सहारे बांधा गया है, जबकि बस की बाहरी बॉडी कई जगह से टूटी और उखड़ी हुई दिखाई दे रही है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इस हालत में बच्चों को स्कूल लाने-ले जाने के लिए बस का संचालन किया जा रहा है?

अभिभावकों का कहना है कि स्कूल वाहनों की फिटनेस और सुरक्षा व्यवस्था की नियमित जांच बेहद जरूरी है। संबंधित विभाग को यह भी जांचना चाहिए कि वाहन के पास वैध फिटनेस, परमिट, बीमा और अन्य आवश्यक दस्तावेज हैं या नहीं।

अब जिम्मेदारों से सवाल

?? क्या बस की फिटनेस जांची गई है?

?? क्या इस वाहन को बच्चों के परिवहन की अनुमति है?

?? जर्जर स्थिति में होने के बावजूद यदि इसका संचालन हो रहा है तो जिम्मेदार कौन है?

?? परिवहन विभाग और स्कूल प्रबंधन इस मामले में क्या कार्रवाई करेंगे?

बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा मामला होने के कारण संबंधित विभाग से जांच और स्पष्ट कार्रवाई की अपेक्षा है।

भारत विकास परिषद शाखा-समर्पण 2मिनट राष्ट्र के नाम राष्ट्रगान मे क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री विक्रांत खंडेलवाल ने सहभागिता करी

भारत विकास परिषद शाखा-समर्पण के द्वारा पिछले 2968 दिन से प्रतिदिन सुबह 8ः30 पर राष्ट्रगान का प्रसारण होता चला आ रहा हे राष्ट्रगान प्रभारी संजय धवन ने बताया आज कि आज के मुख्य आतिथ्य राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ के प्रचारक व अखिल भारतीय विधार्थी परिषद के राष्ट्रीय दायित्व पर रहे भारत विकास परिषद मध्य क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री आदरणीय श्री विक्रांत खंडेलवाल जी ने उपस्थितथ होकर राष्ट्रगान किया ओर शाखा-समर्पण के द्वारा प्रतिदिन सुबह ठीक 8ः30 पर पिछले 2968 दिन से लगातार राष्ट्र प्रेम जागृत करने का कार्य कर्म ओर इसमे सभी की उपस्थितथ सराहनीय हे मे पुरी टीम को बधाई शुभ कामनाएँ देता हु ओर एक संदेश की इस प्रकार का आयोजन ओर शाखाओ ओर शहरो मे भी होना चाहिए विशिष्ट आतिथ्य प्रान्तीय सम्पर्क प्रमुख अशोक शर्मा व अरविंद यादव अध्यक्ष भारत विकास परिषद शाखा विक्रमादित्य कोटा(राजस्थान)थे संचालन संयोजक अरविंद दूदावत जी ने किया इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष गुलाब सिंह प्रजापति सचिव महेश धीमान कोषाध्यक्ष राजकुमार राय राष्ट्रगान वरिष्ठ मार्गदर्शक पन्नालाल निरंकारी मीडिया प्रभार कमल रजक, प्रकाश राव मदान आदि।

रबी सीजन के लिये करें बिजली की पर्याप्त व्यवस्था: ऊर्जा मंत्री तोमर

प्रदेश में वर्तमान में कोयले का है पर्याप्त स्टॉक

भोपाल, जीएनएस। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बुधवार को प्रदेश में ऊर्जा उत्पादन की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि रबी सीजन के लिये किसानों को बिजली की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करें। अभी से पुख्ता इंतजाम करें, जिससे बिजली माँग की आपूर्ति में कोई अड़चन नहीं आये। बैठक में एमडी मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कम्पनी श्री मंजीत सिंह ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश में बिजली उत्पादन के लिये कोयले का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। साथ ही कोयले की आपूर्ति भी सतत जारी है।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि विद्युत उत्पादन संयंत्रों की क्षमता के अनुरूप उत्पादन करना सुनिश्चित करें। वरिष्ठ अधिकारी इसकी सतत समीक्षा भी करें। प्लांट के कोल स्टॉक, प्राप्ति, खपत एवं क्वालिटी की साप्ताहिक रिपोर्ट उपलब्ध करायें। एनटीपीसी से संबंधित विद्युत गृहों से अनुबंधित क्षमता के अनुसार विद्युत उपलब्धता के निरीक्षण की जिम्मेदारी भी तय करें। बैठक में विभिन्न प्लांटों के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। बैठक में बताया गया कि वर्तमान में किसी भी प्लांट में कम उत्पादन नहीं हुआ है।

संभावनाओं की मौत रोकने के लिए शिक्षा व्यवस्था को संवेदनशील और जवाबदेह बनाना होगा

उच्च शिक्षा संस्थानों में छात्रों की बढ़ती आत्महत्याएं

प्रमोद भार्गव

देश के प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्थानों से लगातार छात्रों की आत्महत्या की खबरें आना गंभीर चिंता का विषय है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई में छात्र साहिल रविंद्र वाकोडे की आत्महत्या का मामला भी इसी सिलसिले की एक कड़ी है। बताया गया है कि उसे मोबाइल से नकल करते पकड़ा गया था और इसके बाद उसने छात्रावास के कक्ष में आत्महत्या कर ली। हालांकि आत्महत्या के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। ऐसे मामलों में किसी एक कारण को अंतिम सत्य मानने के बजाय जांच के निष्कर्षों की प्रतीक्षा करना जरूरी है।

इस घटना के बाद छात्र की सामाजिक पृष्ठभूमि को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप भी शुरू हो गए हैं। इससे मूल प्रश्न पीछे छूट जाता है कि आखिर उच्च शिक्षा संस्थानों में ऐसी परिस्थितियां क्यों बन रही हैं, जिनमें विद्यार्थी जीवन समाप्त करने जैसा कदम उठाने को विवश महसूस करते हैं? इसके पहले आईआईटी दिल्ली में भी छात्र आत्महत्या का मामला सामने आया था। शिक्षा मंत्रालय ने जुलाई 2023 में संसद को बताया था कि 2018 से 2023 के बीच पांच वर्षों में आईआईटी में 39 छात्रों ने आत्महत्या की थी।

छात्र आत्महत्या के संबंध में उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित राष्ट्रीय कार्यबल ने उच्च शिक्षण संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्या की रोकथाम से जुड़े कई कारकों की ओर ध्यान दिलाया है। इनमें शैक्षणिक दबाव, जातिगत भेदभाव, आर्थिक तनाव, यौन उत्पीड़न, नकल और परीक्षा में असफलता जैसे कारण शामिल हैं। कार्यबल के अनुसार शिक्षकों में भी छात्रों की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से निपटने के लिए पर्याप्त प्रशिक्षण और कौशल का अभाव है। ऐसे में केवल विद्यार्थी को जिम्मेदार मानकर समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता।

शिक्षा का उद्देश्य केवल अंक और रोजगार नहीं : वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में किताबी और तकनीकी ज्ञान को अपेक्षाकृत अधिक महत्व मिल रहा है। जबकि शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थी के समग्र व्यक्तित्व का विकास होना चाहिए। सामाजिक, भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक, नैतिक, शारीरिक और राष्ट्रीय चेतना से जुड़े पक्ष भी शिक्षा का हिस्सा होने चाहिए। विद्यार्थी को केवल परीक्षा और रोजगार की प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना पर्याप्त नहीं है।

उच्च शिक्षा परिसरों में यौन उत्पीड़न और दुष्कर्म के मामले भी इस व्यवस्था के सामने गंभीर सवाल खड़े करते हैं। ओडिशा के बालासोर में यौन उत्पीड़न की शिकायत पर कार्रवाई नहीं होने से परेशान छात्रा द्वारा आत्मदाह किए जाने का मामला सामने आया था। बेंगलुरु में भी शिक्षकों पर छात्रा के साथ दुष्कर्म के आरोप लगे। कोलकाता के भारतीय प्रबंध संस्थान में महिला परामर्शदाता के साथ कथित दुष्कर्म का मामला भी सामने आया था। ऐसे मामले शिक्षा परिसरों की सुरक्षा और संस्थागत जवाबदेही पर गंभीर प्रश्न खड़े करते हैं।

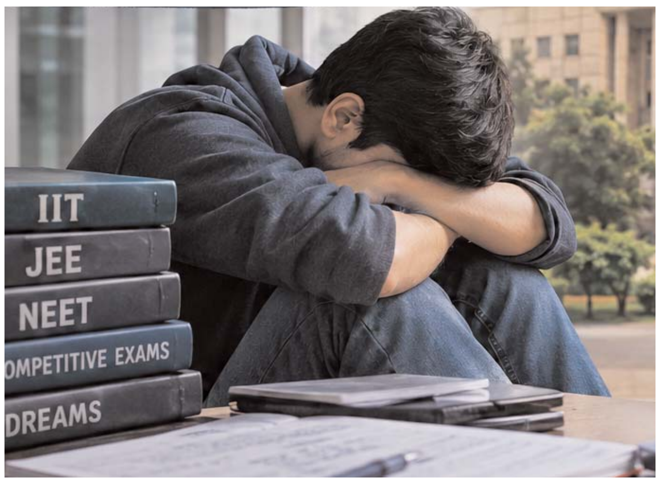

यदि शिक्षक ही विद्यार्थियों के लिए असुरक्षा का कारण बन जाएं तो शिक्षा का मूल उद्देश्य ही प्रभावित होता है। शिक्षक से विद्यार्थी केवल विषय का ज्ञान नहीं, बल्कि मार्गदर्शन, विश्वास और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टि की अपेक्षा करता है। इसलिए शिक्षकों की जवाबदेही और विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित शिकायत व्यवस्था दोनों आवश्यक हैं।

विदेशी संस्थानों से पहले अपने परिसरों में सुधार : एक ओर देश में विदेशी विश्वविद्यालयों को प्रोत्साहित करने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर अपने उच्च शिक्षा संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और जवाबदेही जैसी बुनियादी चुनौतियां बनी हुई हैं। विदेशी संस्थानों का आगमन अपने आप में समस्या नहीं है, लेकिन उससे पहले या उसके साथ देश के मौजूदा संस्थानों की गुणवत्ता और व्यवस्था को मजबूत करना भी उतना ही जरूरी है।

भारत लंबे समय से प्रतिभाओं के विदेश जाने की चुनौती का सामना कर रहा है। ऐसे में उच्च शिक्षा संस्थानों को विद्यार्थियों के लिए भरोसेमंद, सुरक्षित और अवसरों से भरपूर वातावरण देना आवश्यक है। शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री हासिल कराना नहीं, बल्कि विद्यार्थी में आत्मविश्वास, विवेक और जीवन की चुनौतियों से जूझने की क्षमता विकसित करना भी होना चाहिए।

नकल पर अनुशासन और संवेदनशीलता दोनों जरूरी : परीक्षा में नकल शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता को प्रभावित करती है। इसलिए नकल के मामलों में अनुशासनात्मक कार्रवाई आवश्यक है। लेकिन अनुशासन के साथ विद्यार्थी की मनोवैज्ञानिक स्थिति को समझना भी जरूरी है। किसी विद्यार्थी के नियम तोड़ने पर कार्रवाई हो, लेकिन उसे अपमान, बहिष्कार या निराशा की ऐसी स्थिति में न पहुंचाया जाए, जहां वह स्वयं को पूरी तरह असफल मानने लगे।

यही संतुलन शिक्षा व्यवस्था की सबसे बड़ी जरूरत है। अपराध या अनुशासनहीनता की जांच और कार्रवाई अपने स्थान पर होनी चाहिए, लेकिन विद्यार्थी की सामाजिक या जातिगत पहचान को आधार बनाकर किसी घटना की व्याख्या करना भी समस्या का समाधान नहीं है। प्रत्येक मामले के तथ्य सामने आने के बाद ही निष्कर्ष निकाला जाना चाहिए।

कोचिंग संस्कृति ने बढ़ाया दबाव : छात्र आत्महत्याओं का एक बड़ा संदर्भ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से जुड़ा कोचिंग तंत्र भी है। कोटा सहित देश के कई शहरों में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों पर पढ़ाई और सफलता का अत्यधिक दबाव दिखाई देता है। कई बार अभिभावकों की महत्वाकांक्षा भी बच्चों पर अतिरिक्त दबाव डालती है। आईआईटी और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश को जीवन की अंतिम सफलता मान लेने से असफलता की स्थिति में विद्यार्थी स्वयं को असफल जीवन का पर्याय समझने लगता है।

कोचिंग संस्थान प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें बड़े संस्थानों तक पहुंचाने का दावा करते हैं, लेकिन शिक्षा को केवल प्रतियोगिता और सफलता की दौड़ में बदल देने से विद्यार्थी के मानसिक और भावनात्मक पक्ष की उपेक्षा नहीं की जा सकती। अभिभावकों को भी बच्चों की क्षमताओं और रुचियों को समझना होगा। हर विद्यार्थी का लक्ष्य आईआईटी, चिकित्सा या किसी एक प्रतिष्ठित पेशे तक सीमित नहीं हो सकता।

शिक्षा में व्यापक बदलाव की जरूरत : देश में प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च और तकनीकी शिक्षा तक शिक्षण पद्धति को लेकर लंबे समय से बहस चलती रही है। विभिन्न शिक्षा आयोगों की रिपोर्टें आईं, नीतियां बनीं, लेकिन उनका प्रभाव अपेक्षित स्तर तक दिखाई नहीं देता। शिक्षा में निजीकरण, अंग्रेजी माध्यम और विदेशी मॉडल की चर्चा के साथ-साथ भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण और समावेशी शिक्षा पर भी गंभीरता से विचार होना चाहिए।

21वीं सदी को ज्ञान की सदी कहा जाता है। ज्ञान ने जाति, वर्ग और आर्थिक स्थिति की सीमाओं को तोड़कर आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराए हैं। शिक्षा और अनुसंधान के बल पर मानव ने ऐसी तकनीकी दुनिया बनाई है, जिसमें अंतरिक्ष तक पहुंचने की संभावनाएं तलाश की जा रही हैं। ऐसे समय में यदि शिक्षा परिसरों में युवा निराशा और अवसाद के बीच जीवन समाप्त करने को मजबूर हो रहे हैं, तो यह पूरी शिक्षा व्यवस्था के लिए आत्ममंथन का विषय है।

देश के युवाओं की ये मौतें केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि उन संभावनाओं का अंत हैं, जिनसे परिवार और देश भविष्य की उम्मीद लगाए बैठे होते हैं। इसलिए छात्र आत्महत्या को केवल किसी एक घटना, संस्थान या व्यक्ति की समस्या मानने के बजाय व्यापक शैक्षणिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक संदर्भ में देखना होगा। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से आगे बढ़कर संस्थानों को मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत करनी होंगी। विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षित परामर्शदाता, भरोसेमंद शिकायत तंत्र, भेदभाव और उत्पीड़न के खिलाफ प्रभावी व्यवस्था तथा परीक्षा और अनुशासन से जुड़े मामलों में संवेदनशील प्रक्रिया सुनिश्चित करनी होगी। अभिभावकों और शिक्षकों को भी यह समझना होगा कि विद्यार्थी की सफलता केवल उसके अंकों से निर्धारित नहीं होती।

कैंसर की दवा या मरीज की मजबूरी? 2700 से 27000 तक का सवाल

हेमेन्द्र क्षीरसागर, पत्रकार, लेखक व स्तंभकार

कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहा मरीज केवल बीमारी का सामना नहीं करता, बल्कि उपचार की बढ़ती लागत से भी लगातार संघर्ष करता है। जांच, चिकित्सकीय परामर्श, शल्य चिकित्सा, विकिरण उपचार, अस्पताल में भर्ती और दवाओं का खर्च मिलकर परिवार की आर्थिक स्थिति को झकझोर देते हैं। ऐसे में यदि जीवनरक्षक दवा की कीमत उसकी वास्तविक लागत की तुलना में कई गुना अधिक हो जाए, तो सवाल केवल बाजार व्यवस्था का नहीं रह जाता, बल्कि स्वास्थ्य के अधिकार और मानवीय संवेदना का भी बन जाता है।

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार से यह सवाल किया कि लगभग 2,700 रुपए में उपलब्ध कैंसर की एक दवा का अधिकतम खुदरा मूल्य करीब 27,000 रुपए क्यों है? अदालत ने दवाओं के विक्रय मूल्य और व्यापारिक लाभांश को अधिक तर्कसंगत बनाने की जरूरत पर भी सवाल उठाया। हालांकि, दवाओं के व्यापारिक लाभांश को 16 प्रतिशत तक सीमित करने के संबंध में अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। फिर भी न्यायालय की चिंता उस व्यापक समस्या की ओर संकेत करती है, जिसमें गंभीर बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाएं अनेक मरीजों की पहुंच से बाहर हो जाती हैं।

कैंसर अब किसी एक आयु वर्ग या आर्थिक तबके तक सीमित बीमारी नहीं रह गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की अंतरराष्ट्रीय कैंसर अनुसंधान संस्था के वर्ष 2022 के आंकड़ों के अनुसार भारत में उस वर्ष अनुमानित 14 लाख 13 हजार नए कैंसर मरीज सामने आए, जबकि करीब 9 लाख 17 हजार लोगों की मृत्यु कैंसर से हुई। पांच वर्षों में कैंसर से प्रभावित लोगों की अनुमानित संख्या 32 लाख 58 हजार से अधिक थी। ये आंकड़े बताते हैं कि कैंसर का उपचार देश की स्वास्थ्य व्यवस्था के सामने बड़ी चुनौती है। ऐसे में उपचार की उपलब्धता के साथ उसकी आर्थिक पहुंच भी सुनिश्चित करना जरूरी है।

भारत में आवश्यक दवाओं की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण यानी एनपीपीए काम करता है। सरकार ने वर्ष 2019 में 42 कैंसर रोधी दवाओं के मामले में व्यापारिक लाभांश को तर्कसंगत बनाने की व्यवस्था लागू की थी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार इस व्यवस्था के बाद कुछ दवाओं की कीमतों में 90 प्रतिशत तक कमी आई। इससे यह स्पष्ट होता है कि मूल्य नियंत्रण और निगरानी की व्यवस्था प्रभावी तरीके से लागू की जाए तो मरीजों पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ कम किया जा सकता है।

लेकिन दवाओं की कीमत का सवाल केवल निर्माता तक सीमित नहीं है। दवा निर्माता से लेकर थोक विक्रेता, खुदरा विक्रेता और अस्पताल तक एक पूरी मूल्य श्रृंखला काम करती है। इस पूरी श्रृंखला में पारदर्शिता का अभाव होने पर मरीज के हिस्से में सबसे अधिक आर्थिक बोझ आ सकता है। इसलिए यह स्पष्ट होना चाहिए कि किसी दवा की मूल कीमत क्या है, उत्पादन और वितरण में कितना खर्च आता है और अलग-अलग स्तर पर कितना लाभ जोड़ा जा रहा है।

जीवनरक्षक दवाओं के मामले में नियमित मूल्य समीक्षा की जरूरत इसलिए भी अधिक है क्योंकि इनका विकल्प हर मरीज के पास उपलब्ध नहीं होता। सामान्य वस्तुओं की तरह गंभीर बीमारी की दवा की खरीद को टाला नहीं जा सकता। मरीज को इलाज जारी रखना है तो उसे दवा खरीदनी ही होगी। यही मजबूरी उसे मूल्य निर्धारण की व्यवस्था में सबसे कमजोर पक्ष बना देती है।

अस्पतालों की औषधि दुकानों में भी मूल्य पारदर्शिता जरूरी है। मरीज या उसके परिजन को यह जानने का अधिकार होना चाहिए कि जिस दवा के लिए उससे राशि ली जा रही है, उसका निर्धारित अधिकतम खुदरा मूल्य क्या है और अस्पताल की ओर से उस पर कितना शुल्क जोड़ा जा रहा है। जहां संभव हो, मरीजों को समान गुणवत्ता वाली कम कीमत की जेनेरिक दवाओं के विकल्प भी उपलब्ध कराए जाने चाहिए।

दूसरी ओर, दवा उद्योग की अपनी आर्थिक चुनौतियां भी हैं। अनुसंधान, परीक्षण, उत्पादन, गुणवत्ता नियंत्रण, वितरण और नियामकीय प्रक्रियाओं पर कंपनियों को खर्च करना पड़ता है। इसलिए दवा उद्योग को उचित और टिकाऊ लाभ मिलना जरूरी है। लेकिन जीवनरक्षक दवाओं के मामले में लाभ और मरीज की भुगतान क्षमता के बीच संतुलन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। बाजार की सामान्य प्रतिस्पर्धा से अलग स्वास्थ्य क्षेत्र में मानवीय जरूरत का पहलू अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है।

कैंसर के उपचार का आर्थिक बोझ केवल दवा की कीमत से नहीं बनता। बीमारी की पहचान के लिए जांच, बार-बार चिकित्सकीय परामर्श, शल्य चिकित्सा, कीमोथेरेपी, विकिरण उपचार, अस्पताल में भर्ती और उपचार के दौरान आने-जाने का खर्च भी परिवार को उठाना पड़ता है। कई मरीजों के लिए उपचार लंबी अवधि तक चलता है। इस दौरान कामकाज प्रभावित होने से परिवार की आय भी घट सकती है। ऐसे में दवाओं की कीमत में अनावश्यक वृद्धि आर्थिक संकट को और गहरा कर देती है।

कई परिवार इलाज जारी रखने के लिए अपनी बचत समाप्त कर देते हैं, कर्ज लेते हैं या संपत्ति बेचने तक की स्थिति में पहुंच जाते हैं। आर्थिक दबाव का असर उपचार की निरंतरता पर भी पड़ सकता है। यदि किसी मरीज को केवल दवा की कीमत अधिक होने के कारण निर्धारित उपचार बीच में रोकना पड़े, तो यह स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

इसलिए जरूरी है कि कैंसर सहित गंभीर बीमारियों में इस्तेमाल होने वाली जीवनरक्षक दवाओं की कीमतों की नियमित समीक्षा हो। मूल्य निर्धारण की प्रक्रिया पारदर्शी बने, अस्पतालों में दवा बिक्री की निगरानी हो और मरीजों को उपलब्ध सस्ती तथा गुणवत्तापूर्ण दवाओं की जानकारी मिले।

शताब्दीपुरम दंदरौआ धाम मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन मनाया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

बड़ों की आज्ञा मानने से बढ़ती है आयु और कीर्ति : लवदास

ग्वालियर जीएनएस

जो अपने बड़ों की आज्ञा मानते हैं, उनकी आयु और कीर्ति में वृद्धि होती है। यह विचार लवदास महाराज ने बुधवार को शताब्दीपुरम स्थित दंदरौआ धाम मंदिर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन व्यक्त किए। इस अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। भगवान श्रीकृष्ण के बाल रूप की झांकी के दर्शन कर श्रद्धालु भावविभोर हो गए।

लवदास महाराज ने कहा कि भगवान की कथा में ऐसी सामर्थ्य है कि कथा सुनने की इच्छा मात्र से भगवान भक्त के हृदय में विराजमान हो जाते हैं। भगवान की भक्ति करने वाले भक्तों को संसार के सुख ही नहीं, बल्कि स्वर्ग के ऐश्वर्य की भी इच्छा नहीं रहती। उन्होंने ध्रुव की भक्ति का उदाहरण देते हुए कहा कि भगवान ने प्रसन्न होकर उन्हें बिना मांगे ही 36 हजार वर्ष का राजपाट प्रदान किया, लेकिन ध्रुव ने उसे भी स्वीकार नहीं किया।

उन्होंने कहा कि भगवान को प्रसन्न करने के लिए सहनशीलता, करुणा और सभी के प्रति मंगल की भावना जरूरी है। जो सभी को अपना मित्र मानते हैं और किसी को शत्रु नहीं समझते, भगवान उनसे सदैव प्रसन्न रहते हैं। केवल आराध्य की पूजा करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके आदर्शों को जीवन में उतारना भी जरूरी है।

महाराज ने कहा कि जीवन में आने वाली परिस्थितियों में भी भगवान की कृपा के दर्शन करने चाहिए। प्रतिकूल परिस्थितियां आने पर संसार के बंधन स्वतः कमजोर होने लगते हैं। उन्होंने कथा के माध्यम से समझाया कि भगवान की इच्छा से जो कुछ होता है, उसमें भी कल्याण छिपा होता है। इस अवसर पर कथा आयोजक वी केयर एनजीओ के अध्यक्ष संदीप रावत ने कहा कि भगवान की कृपा से कथा पंडाल श्रद्धालुओं से खचाखच भर गया। आगामी आयोजनों में श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए टेंट का विस्तार किया जाएगा। कथा में परीक्षित साधना, राजीव कोठारी, भास्कर शर्मा, सागर नाती सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

विधि और वर्तमान सामाजिक परिदृश्य पर व्याख्यान

मूल अधिकारों और नीति निर्देशक तत्वों के अंतर्संबंध के साथ समान नागरिक संहिता पर चर्चा

ग्वालियर जीएनएस

महात्मा गांधी कॉलेज ऑफ लॉ, ग्वालियर में ज्ञान गंगा व्याख्यान माला के अंतर्गत 'विधि और वर्तमान सामाजिक परिदृश्य' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में शहर के वरिष्ठ विधि विद्वान एवं सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ. सुभाष शर्मा उपस्थित रहे।

डॉ. शर्मा ने संविधान में दिए गए मूल अधिकारों और नीति निर्देशक तत्वों के अंतर्संबंध से विषय की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने समसामयिक रूप से महत्वपूर्ण समान नागरिक संहिता सहित विधि के विभिन्न विषयों पर विद्यार्थियों को जानकारी दी। उन्होंने विभिन्न कानूनी प्रावधानों और उनके सामाजिक संदर्भों को उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट किया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय के चेयरमैन यशपाल सिंह तोमर ने कहा कि जीवन और विधि शिक्षा, दोनों में मूलभूत सिद्धांतों की स्पष्ट समझ आवश्यक है। विधि के क्षेत्र में केवल डिग्री प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि विषय के मूल तत्वों पर पकड़ ही निरंतर प्रगति का आधार बनती है।

कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय में गणेशोत्सव के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। आभार महाविद्यालय के निदेशक डॉ. चन्द्र प्रताप सिंह ने व्यक्त किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन डॉ. रूबी गुप्ता ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

गांधी आश्रम में आज मनाई जाएगी गांधी-शास्त्री जयंती

शिवपुरी जीएनएस

जिला कांग्रेस कमेटी एवं गांधी सेवाश्रम ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में 2 अक्टूबर को गांधी आश्रम पर महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई जाएगी। कार्यक्रम सुबह 9 बजे से शुरू होगा।

कार्यक्रम में गांधीजी के प्रिय भजनों के साथ सर्वधर्म प्रार्थना सभा आयोजित होगी। इसके बाद गांधीजी और शास्त्रीजी के जीवन, विचारों एवं देश के प्रति योगदान पर प्रकाश डाला जाएगा।

गांधी सेवाश्रम ट्रस्ट अध्यक्ष पंडित प्रकाश शर्मा एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहित अग्रवाल ने पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, ट्रस्टियों, सदस्यों, गणमान्य नागरिकों एवं पत्रकारों से कार्यक्रम में शामिल होकर श्रद्धासुमन अर्पित करने की अपील की है।

आचार्य विमल सागर महाराज की 111वीं जयंती आज से, दो दिन होंगे आयोजन

ग्वालियर जीएनएस

वात्सल्य रत्नाकर आचार्य श्री 108 विमल सागर जी महाराज का 111वां जन्म जयंती महोत्सव 2 और 3 अक्टूबर को दाना ओली स्थित दिगंबर बीस पंथी चंपाबाग जैन मंदिर में मनाया जाएगा। आत्म साधना वर्षायोग समिति एवं सकल जैन समाज ग्वालियर की ओर से आयोजित दो दिवसीय महोत्सव आचार्य श्री चैत्य सागर महाराज और मुनिश्री अनुमान सागर महाराज के मंगल सानिध्य में होगा।

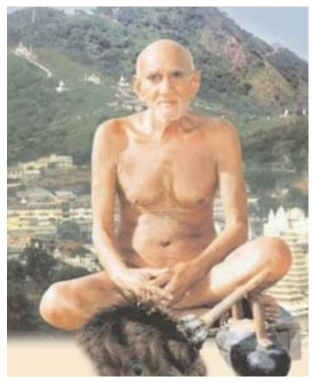

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि 2 अक्टूबर शुक्रवार को सुबह 7 बजे से चंपाबाग जैन मंदिर में विमल विधान का आयोजन होगा। इसमें जैन समाज के लोग इंद्र-इंद्राणी बनकर पूजन-अर्चना करेंगे। शाम 7 बजे मंगल आरती और नृत्य नाटिका का आयोजन किया जाएगा।

महोत्सव के दूसरे दिन 3 अक्टूबर शनिवार को सुबह 9:30 बजे गाजे-बाजे के साथ आचार्य श्री विमल सागर महाराज की प्रतिमा को पालकी में विराजित कर शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा चंपाबाग जैन मंदिर से शुरू होकर नई सड़क स्थित चंपाबाग बगीची पहुंचेगी।

चंपाबाग बगीची में सुबह 10:30 बजे आचार्य श्री विमल सागर महाराज की प्रतिमा का पंचामृत अभिषेक किया जाएगा। इसके बाद जैन समाज की ओर से विनयांजलि कार्यक्रम आयोजित होगा। आयोजन को लेकर जैन समाज के लोगों में उत्साह है और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

तीन दिवसीय संभाग स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला में 7 जिलों के 69 प्रतिभागियों ने लिया प्रशिक्षण

संसाधनों के प्रभावी उपयोग से शिशु वाटिका में शिक्षण बने रुचिकर

शिवपुरी जीएनएस

सरस्वती शिशु मंदिर गणेश कॉलोनी में विद्या भारती मध्यभारत प्रांत के मार्गदर्शन में तीन दिवसीय संभाग स्तरीय प्रभावी शिशु वाटिका-संसाधन उपयोग प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में संभाग के सात जिलों से 69 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। प्रशिक्षण का उद्देश्य उपलब्ध शैक्षिक संसाधनों का प्रभावी उपयोग कर बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षण प्रक्रिया को गतिविधि आधारित, रुचिकर और प्रभावी बनाना रहा।

27 से 29 सितंबर तक आयोजित कार्यशाला में विद्या भारती मध्यभारत प्रांत की शिशु वाटिका मास्टर ट्रेनर्स ने विभिन्न विषयों एवं गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के दौरान शिशु वाटिका में निर्धारित 12 शैक्षिक व्यवस्थाओं के प्रभावी उपयोग, गतिविधियों में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के प्रयोग, अभ्यास क्रम के अनुसार व्यवस्थाओं के संचालन, इन्द्रिय विकास तथा पंचकोषात्मक विकास की अवधारणा पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया।

विभिन्न सत्रों में प्रतिभागियों को बच्चों की आयु और आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षण सामग्री के उपयोग तथा उपलब्ध संसाधनों को शिक्षा प्रक्रिया से जोड़ने के व्यावहारिक तरीके बताए गए। प्रारंभिक अवस्था में बच्चों को अनुभव, गतिविधि और सहभागिता के माध्यम से सीखने के अधिक अवसर देने पर भी जोर दिया गया। प्रतिभागियों ने गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता करते हुए प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी का अभ्यास किया।

आईसीटी के प्रयोग पर जोर : समापन अवसर पर सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान मध्यप्रदेश भोपाल के अध्यक्ष शिरोमणि जी दुबे ने कहा कि विद्या भारती पंचकोषात्मक विकास को ध्यान में रखते हुए बच्चों के सर्वांगीण विकास का प्रयास करती है। वर्तमान समय में शिक्षा को अधिक प्रभावी और रुचिकर बनाने के लिए सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का प्रयोग आवश्यक है। इसके लिए आचार्यों और दीदियों का निरंतर प्रशिक्षण भी जरूरी है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से कार्यशाला में प्राप्त ज्ञान और कौशल को विद्यालयों में प्रभावी रूप से लागू करने का आह्वान किया।

कार्यशाला में कुंजबिहारी चतुर्वेदी, महेन्द्र सिंह रघुवंशी, विनीता जैन, डॉ. पल्लवी गोयल और धीरेन्द्र सिंह जादौन सहित अन्य पदाधिकारियों ने मार्गदर्शन किया। समापन समारोह में मां सरस्वती, ? एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर सरस्वती वंदना की गई। प्रशिक्षण पूर्ण होने पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

इस अवसर पर मुकुट बिहारी शर्मा, सुरेखा ठाकुर, पवन शर्मा, जितेन्द्र परसाई, लोकेंद्र सिंह मेवाड़ा, नम्रता सेंगर सहित मास्टर ट्रेनर्स, प्रशिक्षार्थी एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चार मरीजों को इलाज के लिए 2.20 लाख की सहायता

शिवपुरी जीएनएस

मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से वित्तीय वर्ष 2026-27 में शिवपुरी जिले के चार जरूरतमंद मरीजों को गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए कुल 2 लाख 20 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी गई है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा के आदेशानुसार राशि का भुगतान कर दिया गया है।

नरवर के ग्राम नानकपुर निवासी निमेश बघेल को 45 हजार, शिवपुरी के आजाद नगर निवासी साधना आर्य को 50 हजार, शिवपुरी तहसील के ग्राम सिकरवाड़ा निवासी रामहेत शर्मा को गंभीर हृदय रोग के उपचार के लिए 75 हजार तथा कोलारस के ग्राम अनंतपुर निवासी महेन्द्र सिंह रघुवंशी को 50 हजार रुपए की सहायता प्रदान की गई है।

पूर्वजों की स्मृति को नमन करते हुए श्रद्धा-सुमन अर्पित किए

श्रद्धा, स्मृति एवं संस्कारों का पावन अवसर ग्राम मानपुर में ठा. रामहेत सिंह राणा जी, ठा. नरेश सिंह राणा जी (इंजीनियर) एवं ठा. राजेंद्र सिंह राणा जी के निवास पर आयोजित पूज्य पिताजी एवं दादाजी की मूर्ति अनावरण एवं अखंड रामायण पाठ के पावन एवं भावपूर्ण कार्यक्रम में सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर पूज्य पूर्वजों की स्मृति को नमन करते हुए श्रद्धा-सुमन अर्पित किए एवं परिवारजनों के साथ इस पावन आयोजन में सहभागी बना। इस गरिमामय अवसर पर मेरे साथ डॉ. आशाराम कुशवाह जी श्री कदम सिंह कुशवाह जी एवं श्री पंजाब जाटव जी भी उपस्थित रहे। पूज्य पूर्वजों की पुण्य स्मृतियां सदैव परिवार एवं आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी रहें। ईश्वर से प्रार्थना है कि वे समस्त राणा परिवार पर अपनी कृपा एवं आशीर्वाद बनाए रखें।

उप निरीक्षकों की प्रभारी निरीक्षक सहित सभी पुलिस स्टाफ ने भावभीनी विदाई दी

जालौन, जीएनएस।

कोतवाली कालपी से उप निरीक्षकों के सेवा निर्वित होने पर प्रभारी निरीक्षक तथा समस्त पुलिस स्टाफ ने बड़े हर्षोल्लास के तहत माल्यार्पण कर विदाई दी साथ में उपहार देकर सम्मानित किया।

बुधवार को शाम कोतवाली कालपी अतिथि ग्रह में आयोजित विदाई समारोह पर प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि सर्विस दौरान कोई भी व्यक्ति आया है उसे तबादले में एक दूसरे जगह जाना पड़ता है तथा अपनी उम्र 60 वर्ष होने पर सेवा निर्वित होना एक शतक प्रक्रिया है उन्होंने उप निरीक्षक पुत्तुलाल यादव दरोगा की कार्य शैली काबिले तारीफ कर कहा कि आप सेवा निर्वित हो रहे है अपने परिवार के साथ-साथ कुशल तरीके से जीवन को बताएं साथ में भजन एवं भगवान की आराधना में सकुशल तरीके से समय को बिताएं यही मेरी

ईश्वर से कामनाएं उपनिरीक्षकों ने विदाई लेते हुए कहा कि प्रभारी निरीक्षक सहित समस्त स्टाफ ने कार्यकाल में जो सहयोग दिया है आप लोगों की यादगार सदैव मेरे दिलों में समावेश रहेगी आप लोगों की यादगारी मेरे दिलों में भूलना संभव साबित होगी वरिष्ठ उप निरीक्षक उदय प्रताप सिंह ने विदाई समारोह में कहा कि पुत्तू लाल यादव की अच्छी कार्य प्रणाली से मैं सदैव खुश रहा हूं आप लोगों की यादगार सदैव मेरे दिलों में समावेश रहेगी विदाई देने वालों में टरननगंज चौकी प्रभारी सुरेश चंद्र रामगंज चौकी प्रभारी विशाल भड़ाना उप निरीक्षक उपेंद्र शुक्ला उप निरीक्षक देवेंद्र सिंह भदोरिया उपनिरीक्षक दयाशंकर यादव दीवान लक्ष्मीकांत त्रिपाठी कंप्यूटर ऑपरेटर शैलेंद्र सिंह विनीता अंकित वर्मा दीपेंद्र मिश्रा वीरेंद्र कुमार आशीष यादव महिला सिपाही सरिता राहुल आदि लोगों ने उपनिरीक्षक का माल्यार्पण कर तथा पुष्प गुच्छ देकर बड़े धूमधाम से विदाई की साथ में स्मृति चिन्ह देकर सर्वाधिक स्वागत किया।

'शुरुआत में परिणाम न दिखे तो निराश न हों, मेहनत जारी रखें' कलेक्टर श्री स्वप्निल वानखड़े

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, दतिया में हिंदी महोत्सव के संगोष्ठी, सम्मान एवं समापन समारोह में कलेक्टर श्री स्वप्निल वानखड़े ने सहभागिता कर छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। छात्राओं को प्रेरित करते हुए कलेक्टर श्री वानखड़े ने कहा कि स्कूल में किसी विद्यार्थी का प्रदर्शन उसके पूरे जीवन की सफलता तय नहीं करता। सोच, लक्ष्य और निरंतर प्रयास जीवन में आगे बढ़ने की राह बनाते हैं। कोई विद्यार्थी 12वीं में अपेक्षित प्रदर्शन न कर पाए, लेकिन आगे चलकर वैज्ञानिक, अच्छा लीडर या आईएएस अधिकारी बन सकता है। उन्होंने छात्राओं से कहा कि 12वीं के बाद अपने जीवन का लक्ष्य तय करें और उसे पाने के लिए निरंतर मेहनत करते रहें।

जीवन उमंग क्लब ने हर्षोल्लास के साथ मनाया सातवां स्थापना दिवस समारोह

जीवन उमंग क्लब का सातवां स्थापना दिवस समारोह शहर के एक प्रतिष्ठित होटल में बड़े ही हर्षोल्लास और भव्यता के साथ मनाया गयाश्र। कार्यक्रम का शुभारंभ क्लब में नव-प्रवेशित सदस्य राकेश बंसल और श्रीमती संध्या बंसल के स्वागत व शपथ ग्रहण के साथ हुआ । तत्पश्चात क्लब के समूह संयोजक राहुल गुप्ता स्पर्शी और राजलक्ष्मी गुप्ता ने सभी सदस्यों का आत्मीय स्वागत किया। राहुल गुप्ता द्वारा पुरुष सदस्यों को रंग-बिरंगी चुनरी पहनाई गई, वहीं राजलक्ष्मी गुप्ता ने महिला सदस्यों का स्वागत मोतियों की माला पहनाकर किया।इसके बाद राहुल गुप्ता स्पर्शी ने क्लब की सात वर्षों की उपलब्धियों और गतिविधियों का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया। इस दौरान उत्कृष्ट

योगदान देने वाले छह सदस्य जोड़ों को पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया - सुनील सक्सैना एवं मंजू सक्सैना, अनुज सक्सैना एवं अर्चना सक्सैना, डॉ. जगमोहन पाल एवं मीना पाल, के.के. शर्मा एवं हेमलता शर्मा, योगेन्द्र कुमार सक्सैना एवं साधना सक्सैना, अजय अष्ठाना एवं ममता अष्ठाना ।कार्यक्रम के अगले क्रम में सभी सदस्यों ने एकमत होकर समूह संयोजक राहुल गुप्ता और राजलक्ष्मी गुप्ता को %चार्टर्ड प्रेसीडेंट% के सम्मान से अलंकृत किया ,। इसी अवसर पर डॉ. ओ. पी. वर्मा ने समूह संयोजक राहुल गुप्ता के नेतृत्व, सेवा भावना और समर्पण की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए सारगर्भित उद्बोधन दिया, जिसका सभी सदस्यों ने करतल ध्वनि से स्वागत किया।तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम में गीत-संगीत की महफिल सजी।

भारतीय महिला हॉकी टीम को एशियाई चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं.

जापान में चल रही एशियाई चैंपियनशिप के महिला हॉकी वर्ग में आज सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय महिला हॉकी टीम ने दक्षिण कोरिया को 2-0 से हराकर फाइनल में अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया है, भारतीय महिला हॉकी टीम की

सेमीफाइनल में इस शानदार जीत में ग्वालियर की बेटी इशिका चौधरी ने शानदार गोल किया वही दूसरा गोल भारतीय हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टे टे ने किया! भारतीय महिला हॉकी टीम की इस शानदार जीत और फाइनल में पहुंचने पर ग्वालियर के अविनाश भटनागर, विवेक पिसाल, मनोज परिहार, वीरेंद्र भदोरिया, अर्जुन शर्मा, निक्की कौशल, दीपा शर्मा, विक्रम सिंह, रितु अनामिका तिर्की, पुष्पेंद्र सिंह आदि।

अधीक्षक ने मरीज को बीमारी से बचने के लिए बताएं उपाय

जालौन, जीएनएस।

सीएचसी कालपी में तैनात दो चिकित्सक ट्रेनिंग में चले जाने पर पूर्व की तरह स्वास्थ्य सेवाओ की पटल कुशल तरीके से संपादित कराने के उद्देश्य पर अधीक्षक डॉ दिनेश बर्दिया ने स्वास्थ्य सेवा पटल में बैठकर आने वाले मरीजों का सही तरीके से इलाज कर बीमारी बचाने के उपाय करने के निर्देश दिए इतना भी नहीं उन्होंने आने वाले प्रत्येक मरीज का इलाज किया साथ में उन्होंने जो बीमारी फैली है इस समय जुखाम खांसी बदन में दर्द आदि बीमारियों का सीजन चल रहा है इससे बचने के लिए घरों में साफ सफाई कर स्वच्छ बनाएं घर के आसपास पानी का भराव न हो इन पर विशेष ध्यान दें ताजा भोजन करें बासे भोजन से सदैव दूर रहे जो व्यक्ति स्वास्थ्य विभाग के द्वारा बताए हुए नियम पर चलता है उसके घरों से बीमारी सदैव दूर रहती है उन्होंने कहा कि प्रत्येक मरीज चिकित्सा के द्वारा दी गई दवाइयां का समय से सेवन कर अपने बीमारी को समय से दूर भगाकर स्वस्थ होने में सदैव अग्रसर रहें।

कुपोषण के खिलाफ जागरूकता,स्वस्थ बचपन के लिए झांसी मंडल का प्रयास

झाँसी /वाराणसी।

राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत झांसी मंडल द्वारा बच्चों, अभिभावकों एवं गर्भवती महिलाओं को बेहतर पोषण,नियमित स्वास्थ्य निगरानी और संतुलित आहार के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न स्वास्थ्य एवं जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया 7 रानी लक्ष्मीबाई स्कूल, झांसी में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा उन्हें संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व की जानकारी दी गई 7 साथ ही जंक फूड के अत्यधिक सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति भी जागरूक किया गया। अभियान के दौरान अभिभावकों को बच्चों के दैनिक आहार में आवश्यक पोषक तत्वों को शामिल करने तथा स्वस्थ खान-पान की आदतें विकसित करने के लिए प्रेरित किया गया 7 उन्हें बच्चों के ग्रोथ मॉनिटरिंग चार्ट के बारे में

जानकारी देते हुए बताया गया कि नियमित रूप से बच्चों की वृद्धि एवं विकास की निगरानी से पोषण की कमी अथवा कुपोषण की स्थिति की समय रहते पहचान की जा सकती है 7 इसके साथ ही पांच वर्ष तक की आयु के बच्चों का टीकाकरण किया गया और अभिभावकों को बच्चों के पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी गई 7

गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के माता- पिता को नवजात शिशु के पोषण के महत्व के बारे में भी जागरूक किया गया 7 उन्हें शिशु के प्रारंभिक विकास के दौरान उचित पोषण,स्वास्थ्य देखभाल एवं नियमित निगरानी पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रेरित किया गया 7 दैनिक आहार में आवश्यक बदलाव कर बच्चों को पौष्टिक एवं संतुलित भोजन उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया। राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत आयोजित इन गतिविधियों का उद्देश्य बच्चों में कुपोषण की रोकथाम,स्वस्थ खान-पान की आदतों को बढ़ावा देना,नियमित स्वास्थ्य निगरानी एवं टीकाकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा माताओं एवं अभिभावकों को पोषण से जुड़ी उपयोगी जानकारी उपलब्ध कराना है।

लापरवाह अधिकारी- कर्मचारी कार्यप्रणाली सुधारें वरना खैर नहीं.. विधायक अम्बरीष शर्मा

3 घंटे चली मैराथन समीक्षा बैठक में अफसरों को लगाई कड़ी फटकार

लहार, जीएनएस।

क्षेत्र के विकास कार्यों और जनसमस्याओं को लेकर लहार विधायक अम्बरीष शर्मा ने अधिकारियों और कर्मचारियों की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक ली। लगभग 3 घंटे तक चली इस मैराथन बैठक में विधायक ने अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर गहरा असंतोष व्यक्त करते हुए उन्हें जमकर फटकार लगाई और सीधे तौर पर चेतावनी दी कि जनता के काम में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

?बैठक में विधायक ने दो टूक शब्दों में कहा कि प्रशासन की पहली प्राथमिकता आम जनता, गरीब और मजदूर वर्ग की समस्याओं का समाधान करना है। उन्होंने सख्त लहजे में कहा, ÷मुझे सब पता है कि अब तक किसने क्या काम किया है। जो भी व्यक्ति गलत मानसिकता के साथ जनता या हमारे लोगों को परेशान करने की कोशिश करेगा, वह एक ही लहजे में समझ ले-उसे किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।÷

समीक्षा बैठक के प्रमुख निर्देश

?खाद्य विभाग को सख्त चेतावनीः खाद्य निरीक्षक (फूड इंस्पेक्टर) सुनील मुद्गल को कड़ी फटकार लगाते हुए विधायक ने कहा कि वे अपने विभाग की कार्यप्रणाली में तत्काल सुधार लाएं। गरीबों को राशन मिलने में कोई परेशानी नहीं आनी चाहिए और राशन वितरण में किसी भी प्रकार की धांधली या घोटाला बर्दाश्त नहीं होगा।

?सड़कों के गड्ढे तुरंत भरेंः पीडब्ल्यूडी (लोक निर्माण विभाग) की सड़कों की स्थिति पर नाराजगी जताते हुए विधायक ने लहार क्षेत्र की सड़कों की नियमित साफ-सफाई और गड्ढों को समय पर भरने के निर्देश दिए, ताकि आम जनता और यातायात को कोई असुविधा न हो।

ग्राम पंचायतों के मुख्य मार्ग सुधरें: पंचायत विभाग को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों के मुख्य मार्गों को बेहतर से बेहतर बनाया जाए ताकि ग्रामीणों का आवागमन सुगम हो सके। विधायक ने अंत में स्पष्ट किया कि सभी अधिकारी फील्ड में सक्रिय रहकर काम करें। जनहित के कार्यों में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सीधी और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

77 हजार करोड से 2 लाख नये टावर और लगेंगे

बीएसएनएल ने देश का भरोसा जीता, 1 लाख 4जी टावर लगेः राजेश कुमार

ग्वालियर, जीएनएस।
बीएसएनएल अब लगातार प्रगति पथ पर अग्रसर है और देश में नई संचार क्रांति का सूत्रपात कर रहा हैं। इस वर्ष बीएसएनएल ने एक लाख से अधिक नये 4जी टावर बेहतर मोबाइल नेटवर्क के लिये स्थापित किये है। दूरसंचार अधोसंरचना के विस्तार के लिये आगामी 5 वर्ष में 77 हजार करोड़ रूपये के निवेश से दो लाख नये 4जी साइटस भी स्थापित किये जायेंगे। यह जानकारी बुधवार को बीएसएनएल के प्रधान महाप्रबंधक राजेश कुमार ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान दी।

प्रधान महाप्रबंधक राजेश कुमार ने पत्रकारों को बताया कि बीएसएनएल देश में मोबाइल और टेलीफोन में उपभोक्ताओं का भरोसा बन चुका है। हमने अपनी विश्वसनीय व किफायती सेवाओं से आम संचार उपभोक्ता का दिल जीता है। बीएसएनएल स्थापना दिवस का 26 वर्ष की यात्रा पूरी होने पर प्रधान महाप्रबंधक राजेश कुमार ने बताया कि देशभर में स्वदेशी तकनीक से दूरसंचार सेवाओं के विस्तार, स्वदेशी तकनीक को बढ़ावा व डिजीटल कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने के लिये लगातार प्रयास जारी है। इस अवसर पर देश में दूरसंचार सेवाओं के विस्तार, स्वदेशी तकनीक को बढावा देने तथा डिजिटल कनेक्टिविटी अक्टूबर 2026 को अपनी स्वदेशी स्थापना के 26 वर्ष पूर्ण कि को सदृढ़ करने के लिए बीएसएनएल द्वारा किए जा

रहे प्रयासों की जानकारी दी गई। इस वर्ष बीएसएनएल दिवस की थीम कनेक्टिंग भारत, ईमपावरिंग भारत निर्धारित की गई है। बीएसएनएल ने इस वर्ष एक लाख से अधिक नये 4जी टावर साइटस स्थापित किये है। दूरसंचार अधोसंरचना के विस्तार के लिये आगामी 5 वर्ष में लगभग 77000 करोड़ के निवेश से दो लाख नये 4जी साइटस स्थापित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। साथ ही इस वर्ष देशभर में 5जी सेवाओं के विस्तार की योजना पर कार्य जारी है। इसके लिए चालू वित वर्ष के वजट में लगभग 28 हजार करोड़ का प्रावधान किया गया है। बीएसएनएल की वित्तीय स्थिति में भी सुधार दर्ज किया गया है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी का राजस्व पिछले वर्ष की अवधि की तुलना में अधिक रहा है।

ग्वालियर में 18 हजार नये रोजगार मिलेंगे

ग्वालियर में दूरसंचार विनिर्माण क्षेत्र की स्थापना दूरसंचार विभाग और मध्यप्रदेश सरकार के बीच अनुबंध सहयोग से की जा रही है। लगभग 170 एकड़ भूमि में प्रस्तावित इस क्षेत्र की अनुमानित लागत लगभग रू 493 करोड़ है। अब तक 24 कंपनियों द्वारा लगभग रू 5500 करोड़ के निवेश की जानकारी प्राप्त हुई है ग्वालियर में दूरसंचार विनिर्माण क्षेत्र की स्थापना दूरसंचार विभाग और मध्यप्रदेश सरकार के बीच अनुबंध सहयोग से की जा रही है। लगभग । जिससे 18000 नये रोजगार सृजित होंगे। ग्वालियर में बीएसएनएल नेटवर्क को सुदृढ करने और सेवा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए एकीकृत निविदा प्रक्रिया जारी की गई है। उपभोक्ताओं को किफायती दूरसंचार और एफटीटीएच सेवाऐं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बीएसएनएल द्ववारा फ्रीडम प्लान (मात्र एक रू में 24 दिन तक एक जीबी प्रतिदिन डाटा, 100 एसएमएस प्रतिदिन और अनलिमिटेड कॉलिंग सुविधा फ्री) तथा एफटीटीएच के रू 449 प्लान पर बिल में प्रथम माह फ्री एवं अगले तीन माह तक 100 रू छूट की सुविधा दी जा रही है।

इस मौके पर उपमहाप्रबंधक महेन्द्र श्रीवास्तव, राजवीर सिंह दिनकर एजीएम, आरकेएल रायकवार आईएफए, सुनील राणा उपलेखा नियंत्रक, मनोज यादव मुख्य लेखाधिकारी, आलोक तिवारी सहायक महाप्रबंधक विपणन, भूपेश शाक्य एजीएम प्रशासन, केके बादल एजीएम, धीरज शर्मा एजीएम, हरिओम शिवहरे एसडीआरए, राजेश बाथम पीआरओ आदि भी उपस्थित थे।

इन्दौर में 33 वें श्रावक संस्कार शिविर में इन सभी नन्हें शिविरार्थियों ने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया

स्वतंत्र पत्रकार व लेखक हरिहर सिंह चौहान इन्दौर

संत समाज को हमेशा से ही सही ÷दिशा÷ दिखाते रहे हैं, धर्म प्रभावना में भक्तों का आत्मविश्वास और अपने धर्म के प्रति जागरूकता कोई ला सकता है, तो वहां संत महात्मा त्यागी वृत्ति के मनोबल से ही सम्भव है। ऐसे तो भारतभूमि ज्ञानी ध्यानी ऋषि मुनियों के तपोबल से ही आज इस आधुनिक दौर में भी धर्मप्राण है। धर्म संस्कृति समाज और हमारी एकजुटता भाईचारे को बढ़ावा देने के साथ साथ ज्ञान,संस्कार, के लिए भी बहुत जरूरी है। जैन समाज में अनेक महान संत आचार्य मुनिराज हुए और वर्तमान में भी जिन प्रभु की भक्ति में लीन हैं। ऐसे ही परम पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महामुनिराज आज इस दुनिया में नहीं है, पर उनके चुने हुए मोतियों में जिन्हें उनके द्वारा चुन-चुन कर नवरत्न हार बनाया गया था। उनकी

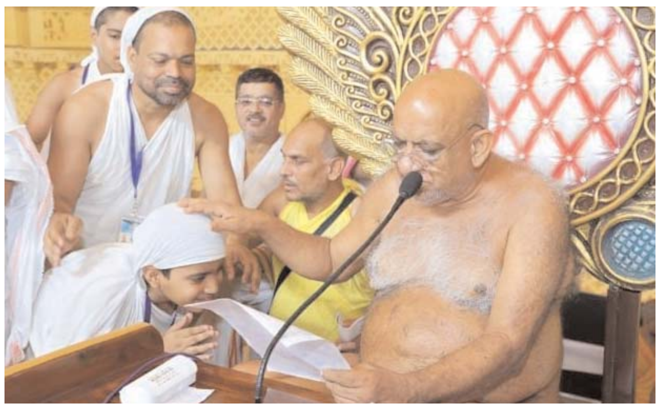

चमक इतनी हो रही है। पूरी दुनिया में समथिस्थ संत आचार्य भगवंत श्री विद्यासागर जी महामुनिराज का नाम कुशल धर्म के जौहरी के रूप में गुंजमान है। उनकी परखीं नजरों में समय का साथ सुधा की अमृत बूंद और प्रमाण इस बात का जब तक सूरज चांद रहेगा जिन शासन का नाम रहेगा। अपने गुरु चरणों की रज लिए सुधा आज प्रवाहित हो रही है। वहां अमृत रूपी ज्ञान के प्रवाह से हम सभी तृप्त हो रहें हैं। ऐसे दिगंबर जैन संत परम तपस्वी श्री मुनिपुंगव श्री 108 सुधा सागर जी महाराज ने इन्दौर में जैन धर्म का परचम पूरे विश्व में लहराया दिया। इतिहास में 10 दिवसीय 33 वॉ श्रावक संस्कार शिविर ने अपने सभी पिछले रिकॉर्ड तोड दिए। इस बार दशलक्षण महापर्व पर मुनि श्री सुधा सागर जी द्वारा इस कार्यक्रम में 10,000 से अधिक शिविरार्थियों ने भाग लेकर जैन धर्म की जय-जयकार कर दी है। इस 33 वें श्रावक संस्कार शिविर में सबसे नन्हे शिविरार्थियों के रूप में 7 से 8 वर्ष के छोटे बालकों ने भी उपवास व एकासन आदि सभी धार्मिक क्रिया में भाग लिया। इतनी कम उम्र में कठिन और निर्दोष चर्या को पूरी दृढ़ता से पालन करना बहुत बड़ी व प्रभावित करने वाली रही। पहले भी विशिष्ट जैन जो 13 साल में अभी तक चार बार शिविरार्थी बन चुकें। बण्डा सागर में दूसरा स्थान और अशोकनगर शिविर में प्रथम स्थान प्राप्त किया था, वहीं इन्दौर के शिविर में सभी बड़े बड़ो से अधिक नम्बर प्राप्त किये। इन सभी बच्चों ने इतनी कम उम्र में त्याग तपस्या और अपने धर्म के संस्कारों को पूरी तरह माता-पिता गुरुजनों की आज्ञा का पालन करना सकारात्मक भाव है। इसे देखकर लगता है कि भारत का भविष्य उज्जवल है। क्योंकि धर्म संस्कृति संस्कारों के लिए हमारे अपने संत महात्मा सही राह दिखा रहे हैं।

पुस्तक का अवलोकन किया गया

मंत्रालय सेवा अधिकारी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष इंजी सुधीर नायक की पुस्तक आनंद के सरल प्रयोग का विमोचन माननीय उपमुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल द्वारा उनके वल्लभ भवन स्थित कक्ष में किया गया। विमोचन उपरांत माननीय उपमुख्यमंत्री जी द्वारा पुस्तक का अवलोकन किया गया और उसे दैनंदिन जीवन में उपयोगी बताया गया।

उल्लेखनीय है कि मोटीवेशनल स्पीकर इंजी सुधीर नायक द्वारा रचित इस पुस्तक में 18 छोटे छोटे सरल प्रयोग दिये गये हैं जिन्हें अपनाकर कोई भी व्यक्ति तनावमुक्त आनंदित जीवन की ओर अग्रसर हो सकता है। ये प्रयोग अनुभूत है और लोगों द्वारा आजमाकर लाभ उठाया गया है। विमोचन के मौके पर मंत्रालय सेवा अधिकारी कर्मचारी संघ के पदाधिकारी श्री आशीष सोनी, श्री संतोष बड़ोदिया,ठाकुरदास प्रजापति, श्री मतीन खान,श्री मनोज चौहान,श्री सतीश शर्मा श्री दिलीप सोनी,श्रीमती दीप्ति बच्चानी,श्री श्याम बिहारी दुबे, श्री प्रतीक गुप्ता,सुश्री नीलेश पटवा, श्री बादामी लाल,श्री अनिल मंडलोई, श्री विकास नोरंग,श्री मंगल सोनवाने इत्यादि उपस्थित थे।

सिटी सेंटर में चला स्वच्छता अभियान

लंबे समय से जमा कचरे के स्थलों को किया साफ

ग्वालियर, जीएनएस।
नगर निगम के कर्मचारियों, आमजनों एवं आईईसी एक्टिविटी के साथ मिलकर सिटी सेंटर पर स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान वहां से काफी मात्रा में कचरा एकत्रित किया गया। साथ ही आमजनों एवं दुकानदारों को समझाइश दी गई कि कचरा घरों के बाहर नहीं डालें।

नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देश पर अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव के निर्देशन में सिटी सेंटर स्थित एसपी ऑफिस लेकर इनकम टैक्स ऑफिस वाली लाइन से होते हुए एयरटेल ऑफिस तक के क्षेत्र को पूरी तरह से साफ किया गया। इस दौरान कुछ स्थानों पर कचरे के ढेर मिले, जिन्हें तत्काल जेसीबी की मदद से साफ किया गया। इसके साथ ही प्लग रन के माध्यम से ग्रुप बनाकर युवाओं ने सडक एवं कॉलोनी की गलियों से कचरा साफ किया। अभियान के दौरान अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव मौजूद रहे, उन्होंने डब्ल्यूएचओ को निर्देश दिए कि अब किसी भी हाल में कचरा जमा नहीं होना चाहिए। इसके साथ ही 30 नंबर वार्ड के कर्मचारी हाजिरी लगाने के बाद सिटी सेंटर इलाके में एक घंटे कार्य करेंगे, इसके बाद ही वह अपने कार्यस्थल पर जाएंगे।

आम जनों को दी समझाइशः अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव ने सिटी सेंटर क्षेत्र में आम जनों को समझाइश दी है कि वह अपने घरों से निकलने वाले कचरे को घर में ही अलग अलग करें। प्रत्येक घर में 4-4 डस्टबिन रखे जाएं जिसमें गीला, सूखा, सेनेटरी वेस्ट और विशेष देखभाल कचरे को अलग अलग रखा जाए और उसे डोर टू डोर टिपर वाहन में दिया जाए।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत स्वास्थ्य शिविर आयोजित

शिविर में 100 से अधिक सफाई मित्रों की हुई जांच

ग्वालियर, जीएनएस।
नगर निगम ग्वालियर के स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत समर्पण चैरिटेबल आई हॉस्पिटल द्वारा 30 दिसंबर 2026 को कांच मिल कम्युनिटी हॉल में स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में वार्ड क्रमांक 12, 16 एवं 17 के सफाई मित्रों की आंखों की जांच के साथ-साथ बीपी एवं शुगर की जांच भी की गई। शिविर में 100 से अधिक कर्मचारियों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया। जांच के दौरान मोतियाबिंद एवं अन्य नेत्र संबंधी समस्याओं वाले 15 मरीज पाए गए, जिन्हें आवश्यक उपचार एवं आगे की चिकित्सा के लिए मार्गदर्शन दिया गया। शिविर में वार्ड क्रमांक 12 की पार्षद श्रीमती मीरा मानसिंह, वार्ड क्रमांक 16 के पार्षद श्री महेंद्र आर्य तथा वार्ड क्रमांक 17 की पार्षद श्रीमती किरण धर्मेंद्र वर्मा उपस्थित रहीं। साथ ही जोन क्रमांक 5 के अधिकारी श्री अभय सिंह तोमर के नेतृत्व में शिविर की व्यवस्था सुनिश्चित की गई।

समर्पण चैरिटेबल आई हॉस्पिटल ने शिविर के सफल आयोजन में सहयोग के लिए नगर निगम ग्वालियर एवं सभी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

खनियाधाना सीडीपीओ को पिछोर का अतिरिक्त प्रभार

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों में लापरवाही पर कलेक्टर श्री वर्मा ने पिछोर सीडीपीओ को किया कार्यालय अटैच

शिवपुरी, जीएनएस। महिला एवं बाल विकास परियोजना पिछोर अंतर्गत सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के निराकरण में लगातार बरती जा रही लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने कार्रवाई की है। कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा द्वारा परियोजना अधिकारी पिछोर श्री अरविन्द तिवारी को जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय, महिला एवं बाल विकास जिला कार्यालय में कार्य करने के लिए अटैच किया है। कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा द्वारा सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर लंबित शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के लिए लगातार निर्देश दिए जा रहे थे। इसके उपरांत भी परियोजना अधिकारी पिछोर श्री अरविन्द तिवारी द्वारा शिकायतों का समय-सीमा में निराकरण नहीं किए जाने, शिकायतों के लंबित रहने और पदीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरतने के कारण यह प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। साथ ही प्रशासकीय कार्य सुविधा की दृष्टि से महिला एवं बाल विकास परियोजना खनियाधाना की परियोजना अधिकारी श्रीमती प्रियंका बुनकर को पिछोर परियोजना का प्रभार सौंपा गया है।

कलेक्टर श्री वर्मा द्वारा सभी विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि जनशिकायतों का समाधान और शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन तय समय-सीमा में अनिवार्य रूप से किया जाए। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान पाई जाने वाली किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

टीबी मरीजों को वितरित की गई फूड बास्केट

भिण्ड, जीएनएस। कलेक्टर भिण्ड के निर्देशन एवं स्वास्थ्य विभाग के मार्गदर्शन में टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आज जिला क्षय रोग कार्यालय भिण्ड में टीबी मरीजों को फूड बास्केट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.एस. यादव एवं जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. डी.के. शर्मा के मार्गदर्शन में टीबी मरीजों को पोषण सहायता के रूप में फूड बास्केट का वितरण किया गया। इस अवसर पर टीबी मरीजों को नियमित रूप से दवा लेने, पौष्टिक आहार ग्रहण करने तथा उपचार की पूरी अवधि तक दवा जारी रखने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही टीबी के लक्षण, बचाव, जांच एवं उपचार के संबंध में जनजागरूकता भी की गई। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कुल 51 टीबी मरीजों को फूड बास्केट वितरित की गईं। कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रशासन भिण्ड एवं जिला स्वास्थ्य समिति भिण्ड के मार्गदर्शन में श्रीमती भागवन्ती बाई शिक्षा प्रसार समिति भिण्ड द्वारा किया गया तथा सहयोग सोनाधिका एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड मालनपुर द्वारा किया गया। आगामी 2 अक्टूबर गांधी जयंती के अवसर पर स्वच्छता एवं जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा तथा जरूरतमंद टीबी मरीजों को फूड बास्केट का वितरण भी किया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर बैराड़ में विधिक साक्षरता एवं निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

शिवपुरी, जीएनएस। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी श्री राजेंद्र प्रसाद सोनी के आदेशानुसार अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर नगर परिषद बैराड़ में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी की सचिव श्रीमती रंजना चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ, जिसमें वरिष्ठ नागरिकों के कानूनी अधिकारों की जानकारी के साथ-साथ निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया।

आयोजित शिविर में श्रीमती अंजलि पटेल, व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड पोहरी एवं अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति द्वारा उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों को वरिष्ठ नागरिकों को विधिक सहायता योजना 2016 तथा माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007 के महत्वपूर्ण प्रावधानों के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने बुजुर्गों को उनके अधिकारों, भरण-पोषण के नियमों और शासकीय सहायता प्रक्रियाओं से अवगत कराया।

शिविर के दौरान उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक चिकित्सीय जांचों की सुविधा उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम के समापन अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के उपलक्ष्य में स्मृति चिह्न स्वरूप न्यायाधीश एवं उपस्थित अधिकारियों द्वारा पौधारोपण भी किया गया। उक्त विधिक जागरूकता शिविर एवं स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम में न्यायाधीश श्रीमती अंजली पटेल के साथ तहसीलदार बैराड श्री दुर्गापाल सिंह बैस, थाना प्रभारी बैराड श्री सुरेश चंद्र शर्मा तथा नगर परिषद बैराड़ के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय वरिष्ठ नागरिक व आमजन उपस्थित रहे।

वृद्धाश्रम मंगलम में अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर विशेष विधिक साक्षरता एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित

शिवपुरी, जीएनएस। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री राजेन्द्र प्रसाद सोनी के निर्देशन में गुरुवार को वृद्धाश्रम मंगलम शिवपुरी में अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर विशेष विधिक साक्षरता एवं निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी की सचिव श्रीमती रंजना चतुर्वेदी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में वृद्धजनों के स्वास्थ्य की जांच के साथ-साथ उन्हें विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया।

शिविर को संबोधित करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती रंजना चतुर्वेदी ने उपस्थित वृद्धजनों को उनके संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि वृद्धाश्रम में रहने वाले नागरिकों के यदि किसी अधिकार का उल्लंघन होता है, तो वे विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने नालसा (नागरिकों को विधिक सेवा) योजना 2016, वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007 के प्रावधानों तथा नालसा हेल्पलाईन नंबर 15100 की जानकारी दी।

स्वास्थ्य परीक्षण, निःशुल्क दवा वितरण एवं आत्मीय संवाद

आयोजन के दौरान जिला चिकित्सालय से आई डॉक्टरों की टीम द्वारा वृद्धाश्रम में रह रहे सभी बुजुर्गों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और आवश्यकतानुसार निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। विधिक सेवा प्राधिकरण की टीम एवं अधिकारियों ने बुजुर्गों से आत्मीयतापूर्वक बातचीत कर उनकी दिनचर्या, समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नागरिकों के साथ मिलकर गीत गाए गए।

किसान कल्याण हमारा प्राथमिक संकल्प - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल, जीएनएस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों का समग्र कल्याण ही हमारा प्राथमिक संकल्प है। हमारी सरकार इसके लिए सभी प्रबंध कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने %एक्स% पर बताया कि भावांतर भुगतान योजना के अंतर्गत सोयाबीन के उपार्जन के लिए 3 अक्टूबर से ई-उपार्जन पोर्टल https://mpeupar-jan.nic.in पर किसानों के पंजीयन प्रारंभ हो रहे हैं। यह किसान पंजीयन 17 अक्टूबर तक जारी रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को अपना पंजीयन कराने के लिए सभी ग्राम पंचायत, तहसील एवं सहकारी समितियों में निःशुल्क सुविधा उपलब्ध रहेगी। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी सोयाबीन उत्पादक किसानों से उपार्जन के लिए अपना पंजीयन अवश्य करा लेने का आग्रह किया है।

लक्ष्मीबाई समाधि स्थल एवं ग्वालियर किले का भी किया अवलोकन

उड़ीसा से आए दल ने देखीं ग्वालियर विकास की परियोजनायें

ग्वालियर, जीएनएस। सेवा-संकल्प अभियान के तहत उड़ीसा से आए 28 सदस्यीय सोशल मीडिया प्रभावक (इन्फ्लुयेंसर) दल ने गुरुवार को ग्वालियर की विभिन्न विकास परियोजनाओं का अवलोकन किया। इसके साथ ही ग्वालियर के पुरातात्विक महत्व एवं ऐतिहासिक स्थलों का भी अवलोकन किया।

उड़ीसा से आए दल ने ग्वालियर के जौरासी के समीप निर्मित किए जा रहे अम्बेडकर धाम का अवलोकन किया। अम्बेडकर धाम का निर्माण लोक निर्माण विभाग की पीआईयू सेल द्वारा किया जा रहा है। अम्बेडकर धाम में लाइब्रेरी, गैलरी एवं अन्य सुविधायें उपलब्ध होने के साथ-साथ बाबा साहब अम्बेडकर के जीवन के विभिन्न पहलुओं की भी जानकारी प्राप्त होगी। दल द्वारा ग्वालियर में ही पर्यटन विभाग के माध्यम से पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के नाम से निर्मित किया गया है। अटल स्मारक निर्माण का भी दल ने अवलोकन किया। अटलजी के जीवन दर्शन पर आधारित यह भव्य स्मारक शीघ्र ही पूर्ण होगा। उड़ीसा से आए दल ने ग्वालियर के राजमाता विजयाराजे सिंधिया विमानतल का भी अवलोकन किया।

ग्वालियर का विमानतल बहुत ही आधुनिक और कम समय में निर्मित किया गया एयरपोर्ट है। दल द्वारा इसके पश्चात स्मार्ट सिटी के माध्यम से ग्वालियर में निर्मित किए गए अंतर्राज्यीय बस स्टेण्ड का भी अवलोकन किया। दिव्यांगजनों के लिये ग्वालियर में निर्मित स्टेडियम का भी दल के सदस्यों ने अवलोकन किया और स्टेडियम में दिव्यांग खिलाड़ियों के लिये उपलब्ध कराई गई खेल की आधुनिक सुविधाओं को भी देखा। उड़ीसा से आए दल द्वारा वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई के समाधि स्थल पर पहुँचकर उन्हें श्रद्धा-सुमन भी अर्पित किए गए। इसके साथ ही ग्वालियर के ऐतिहासिक किले का भी दल के सदस्यों ने अवलोकन किया। अटल स्मारक निर्माण का अवलोकन करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष श्री जयप्रकाश राजौनिया ने भी दल के सदस्यों से भेंट की और ग्वालियर विकास के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी।

प्रशासन द्वारा रमौआ एवं नैनागिरि से हटाया गया अतिक्रमण

10 करोड़ रुपए बाजार मूल्य की शासकीय भूमि को कराया गया मुक्त

ग्वालियर, जीएनएस। शासकीय भूमियों से अतिक्रमण हटाने के लिये चलाए जा रहे अभियान के तहत गुरुवार को ग्राम रमौआ की शासकीय भूमि पर बाउण्ड्रीवॉल के अतिक्रमण को हटाकर मुक्त कराया। इसके साथ ही रमौआ एवं नैनागिरि में कुल 1.45 हैक्टेयर से अतिक्रमण हटाया गया। हटाए गए अतिक्रमण की भूमि का अनुमानित बाजार मूल्य 10 करोड़ रुपए है।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री अतुल सिंह के नेतृत्व में अनुभाग झांसी रोड के ग्राम रमौआ की शासकीय भूमि खसरा क्रमांक-71, 72, 73 रकबा 0.162 हैक्टेयर पर फ्लोवर सिटी के अंदर बाउण्ड्रीवॉल बनाकर जगदीश, श्यामसुंदर, नेतराम,?शिवसिंह द्वारा ग्राम रमौआ के सर्वे क्र.-100 रकबा 1.05 हैक्टेयर पर खेती करके, नाथू पुत्र कप्तान सिंह द्वारा ग्राम रमौआ के सर्वे क्रमांक-85 रकबा 0.226 हैक्टेयर भूमि पर बाउण्ड्री बनाकर रिवेरा सिटी के अंदर ग्राम नैनागिरि के सर्वे क्र.-139 रकबा 0.021 हैक्टेयर भूमि पर बाउण्ड्री बनाकर शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किया गया था। राजस्व अमले द्वारा अतिक्रमण को मुक्त कराया गया। इसके साथ ही झांसी रोड अनुभाग के ग्राम रमौआ व नैनागिरि के कुल 1.44 हैक्टेयर पर से अतिक्रमण हटाया गया, जिसका अनुमानित बाजार मूल्य 10 करोड़ रुपए है। जिला प्रशासन द्वारा चलाए गए इस अभियान में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री अतुल सिंह के नेतृत्व में तहसीलदार श्री कुलदीप कुमार दुबे, अपर तहसीलदार श्री महेश सिंह कुशवाह, थाना प्रभारी झांसी रोड, राजस्व, पुलिस एवं नगर निगम का संयुक्त दल शामिल था।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत थाना महाराजपुरा पुलिस की कार्यवाही

थाना महाराजपुरा पुलिस ने घर से बिना बताए चले गए नाबालिग बालक को दिल्ली से सकुशल दस्तयाब किया

ग्वालियर, जीएनएस।
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह(भापुसे) के निर्देशानुसार ग्वालियर जिले में गुमशुदा बालक-बालिकाओं की दस्तयाबी हेतु प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। उक्त निर्देशों के परिपालन में अति. पुलिस अधीक्षक(पूर्व) डॉ0 शिवेश सिंह बघेल द्वारा अपने अधीनस्थ सभी थाना प्रभारियों को थाना क्षेत्र से गुमशुदा बालक-बालिकाओं की दस्तयाबी हेतु टीम बनाकर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये।

घटनाओं का संक्षिप्त विवरणः- फरियादी विवेक(परिवर्तित नाम) निवासी महाराजपुरा ग्वालियर ने थाना महाराजपुरा में रिपोर्ट लेख कराई कि उसका लड़का उम्र 16 साल दिनांक 29.09.2026 को सुबह करीब 06.00 बजे घर से बिना बताये कहीं चला गया है। जिसकी आसपास व सभी रिश्तेदारों में तलाश किया परन्तु कोई पता नही चला। मुझे शक है कि मेरे लड़के को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसला कर ले गया है। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना महाराजपुरा में अप0क्र0 568/26 धारा 137(2) बीएनएस का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

उक्त नाबालिग बालक के गायब होने की सूचना प्राप्त होने पर सीएसपी महाराजपुरा श्री नागेन्द्र सिंह सिकरवार के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी महाराजपुरा निरीक्षक यशवंत गोयल के द्वारा थाना बल की टीम को उक्त प्रकरण में अपहृत नाबालिग बालक को दस्तयाब करने हेतु लगाया गया। थाना महाराजपुरा पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए बालक की आसपास के क्षेत्र में तलाश कर सीसीटीव्ही फुटेज चेक किये गये और तकनीकी सेल व मुखबिर तंत्र के सक्रिय किया गया।

दौराने विवेचना थाना महाराजपुरा पुलिस द्वारा आज दिनांक 01.10.2026 को तकनीकी सहायता के आधार पर उक्त नाबालिग बालक को दिल्ली से सकुशल दस्तयाब किया गया। पूछताछ में अपहृत नाबालिग बालक द्वारा अपनी मर्जी से दिल्ली आना बताया है और स्वयं के साथ किसी भी प्रकार की कोई घटना घटित नही होना बताया है। पुलिस द्वारा उक्त नाबालिग बालक को सकुशल दस्तयाब कर ग्वालियर लाया गया।

सराहनीय भूमिका:- थाना प्रभारी महाराजपुरा निरीक्षक यशवंत गोयल, उप निरी. राजीव सोलंकी, उनि0 सुशीला जादौन, आर0 रामसेवक गुर्जर, रूस्तम गुर्जर, धर्मेन्द्र गुर्जर, दीपेन्द्र शर्मा, सायबर सेल से आर0 विपिन सिकरवार, आर0 शैलेन्द्र गौड की सराहनीय भूमिका रही।

ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं, योजनाओं की दी जानकारी

फिरोजाबाद, जीएनएस।
टूंडला विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत मुईउद्दीनपुर में सामाजिक सम्मेलन एवं जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि भाजपा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी गिर्राज कुशवाहा और जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी। उन्होंने ग्रामीणों से योजनाओं का लाभ मिलने और इसमें आ रही दिक्कतों के बारे में भी जानकारी ली।

कार्यक्रम में ग्रामीणों ने क्षेत्र की जनसमस्याएं, जनसुविधाओं और विकास से जुड़े मुद्दे उठाए। पदाधिकारियों ने समस्याओं को सुनकर उनके समाधान के लिए आवश्यक सहयोग और मार्गदर्शन का भरोसा दिलाया। वक्ताओं ने सामाजिक एकजुटता मजबूत करने और जनता से लगातार संवाद बनाए रखने पर जोर दिया।

कार्यक्रम का संयोजन पूर्व ब्लॉक प्रमुख हनुमंत सिंह बघेल उर्फ गुड्डू बघेल ने किया। अध्यक्षता पूर्व ब्लॉक प्रमुख महावीर सिंह बघेल ने की। ब्लॉक प्रमुख टूंडला सतीश बघेल, जिला महामंत्री आकाश शर्मा, जिला प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी डॉ. अमित गुप्ता, मंडल अध्यक्ष अजीत कुशवाहा, पूर्व प्रधान चरण सिंह बघेल, चंद्रपाल सिंह बघेल, राजकुमार प्रधान, महावीर बघेल, साहब सिंह कुशवाहा, नवाब सिंह कुशवाहा, भीकम सिंह कुशवाहा, भगवती प्रसाद, डालन सिंह, विक्रम सिंह समेत क्षेत्र के कई प्रधान, बीडीसी सदस्य और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री मोदी से मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की आत्मीय भेंट

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 के लिए किया आमंत्रित

भोपाल, जीएनएस।
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से आत्मीय भेंट कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश में जारी विकास कार्यों, जनकल्याणकारी पहलों, उपलब्धियों, निवेश और प्रदेश की प्रगति से जुड़े विभिन्न विषयों की जानकारी दी।

इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर्ष 2027 में मध्यप्रदेश में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी को आमंत्रित किया। उन्होंने प्रदेश में निवेश के लिए तैयार किए जा रहे अनुकूल वातावरण, औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी भी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में प्रारंभ की गई 'मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा' के संबंध में भी प्रधानमंत्री श्री मोदी को अवगत कराया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 17 सितंबर से प्रदेश में संचालित 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत प्रदेशभर में आयोजित की जा रही विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों की जानकारी भी प्रधानमंत्री श्री मोदी को दी। उन्होंने अभियान के माध्यम से जनभागीदारी, सेवा और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न आयोजनों के बारे में अवगत कराया।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का हुआ आयोजन

भिण्ड, जीएनएस।
राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के आदेशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भिण्ड के निर्देशानुसार एवं श्री के.एस. बारिया प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भिण्ड एवं सुश्री अनुभूति गुप्ता सचिव जिला प्राधिकरण भिण्ड के कुशल मार्गदर्शन में आज दिनांक 01 अक्टूबर 2026 को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर सेवा भारती वृद्धाश्रम भिण्ड में जिला चिकित्सालय भिण्ड के समन्वय से स्वास्थ्य परीक्षण शिविर सह विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उक्त दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य बुजुर्गो के सम्मान, सुरक्षा, स्वास्थ्य और उनके अधिकारों के प्रति समाज में जागरूकता फैलाना है तथा कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय के विशेषज्ञों की टीम द्वारा उपस्थित वृद्धजन का शुगर, बी.पी., आदि का टेस्ट किया गया तथा उन्हें उचित चिकित्सा परामर्श एवं निःशुल्क दवाईयां आदि वितरित की गई एवं ऑर्थोपेटिक, ई.एन.टी., आई स्पेशलिस्ट, मेडीशिन, स्किन स्पेशलिस्ट द्वारा भी वृद्धजन का चेकअप किया गया। उन्हें किस प्रकार से अपने दैनिक दिनचर्या को रखना चाहिए एवं व्यायाम करना चाहिए इस बारे में भी सलाह दी गई जिससे वे स्वास्थ्य और निरोग्य जीवन का निर्वाह कर सकें।

इसी कड़ी में श्री देवेश शर्मा जिला विधिक सहायता अधिकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भिण्ड द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को कुछ कानूनी विषयों पर उनके अधिकारों के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि सभी वरिष्ठ नागरिकों को माता पिता व वरिष्ठ नागरिकों का भरण पोषण अधिनियम, 2007 के अंतर्गत देख रेख व भरण पोषण का अधिकार प्राप्त है जिसे वे अनुविभागीय अधिकारी के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर प्राप्त कर सकते हैं एवं वरिष्ठ नागरिक जो निराश्रित हैं उनके लिए सरकार द्वारा निराश्रित भवन का निर्माण किया गया है जिसमें उन्हें समस्त मूलभूत सुविधाएं जैसे रहने की व्यवस्था, भोजन आदि की व्यवस्था, मेडीकल, मनोरंजन आदि की सुविधाएं प्रदाय की जाती हैं। उक्त स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में लगभग 50 से अधिक वृद्धजन का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। उक्त कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय से डॉ. आर.के. अग्रवाल, डॉ. रविकांत गुप्ता, डॉ श्रीकांत शर्मा, डॉ. संजीव धर्मेश एवं सेवा भारती का स्टॉफ, समस्त वृद्धजन एवं श्री सुभाष दुबे, पीएलव्ही पी.एल.व्ही., भिण्ड उपस्थित रहे।

लायंस क्लब ग्वालियर क्वीन ने लगाया निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर, एवं विशाल स्वास्थ्य शिविर

ग्वालियर, जीएनएस।
लायंस क्लब ग्वालियर क्वीन द्वारा दिनांक 30 सितंबर को तिवारी नर्सिंग होम, सिंधी की छावनी में विशाल निःशुल्क नेत्र परीक्षण, बोन डेंसिटी जांच, हीमोग्लोबिन जांच एवं डेंटल चेकअप शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लगभग 200 लोगों ने पहुंचकर विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्राप्त किया। शिविर में आने वाले सभी लाभार्थियों के लिए बैठने एवं अन्य समुचित सुविधाओं की विशेष व्यवस्था भी की गई थी। इस अवसर पर क्लब मेंटॉर लायन राका पाठक एवं रीजन चेयरपर्सन (ऋष्ट) लायन नीरज जैन की गरिमामयी उपस्थिति रही। शिविर में क्लब अध्यक्ष लायन नीतु अग्रवाल, सचिव लायन लता उपाध्याय, कोषाध्यक्ष लायन स्वाति अग्रवाल, संयुक्त सचिव लायन ज्योति बंसल, संयुक्त कोषाध्यक्ष लायन दीपिका मित्तल सहित क्लब पदाधिकारियों की उपस्थिति रही।

कार्यालय कलेक्टर, (खनिज शाखा) जिला शिवपुरी (म.प्र.)
E-mail modgmshi@mp.gov.in

पत्र क्रमांक 1969/3-6/खनि/क्यू.एल. 574/2026 शिवपुरी, दिनांक 20.09.2026
म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 18(1-क)(2) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति (जो भी लागू हो) प्राप्त करने के लिए,

द्वितीय सूचना

यह सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती प्रीती माथुर पत्नी श्री राजेन्द्र माथुर निवासी मुदगल कॉलोनी शिवपुरी म.प्र. जिला शिवपुरी की तहसील बैराड़ के ग्राम मगरौनी की शासकीय भूमि सर्वे नम्बर 25 रकबा 2.00 हैक्टेयर क्षेत्र पर खण्डा/बोल्डर, बोल्डर खनिज का उत्खनिपट्टा हेतु आवेदन पत्र दिनांक 02.08.2026 प्रस्तुत किया गया। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना दिनांक 07.08.2026 प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र पर पुनः दिनांक 12/10/2026 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किए जाएंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम/कस्बा	सर्वे क्रमांक	कुल रकबा है. में	आवेदित रकबा है. में	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
शिवपुरी	बैराड़	मगरौनी	25	14.560	2.00	शासकीय	खण्डा/बोल्डर [illegible]	

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के सम्बन्ध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते हैं तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

खनि अधिकारी
जिला शिवपुरी (म.प्र.)

G-19289/26

दो दिवसीय आयोजन में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, बच्चों ने महापुरुषों का रूप धरकर दिया स्वच्छता का संदेश

बापू के स्वच्छता, सत्य और अहिंसा के संदेश से जुड़ी नई पीढ़ी

ग्वालियर जीएनएस

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर एसोसिएशन ऑफ ग्वालियर यूथ सोसायटी की ओर से 1 और 2 अक्टूबर को दो दिवसीय आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन 'स्वच्छता ही सेवा-आओ मिलकर बापू के सपनों को साकार करें' थीम पर किया गया। आयोजन का उद्देश्य नई पीढ़ी को महात्मा गांधी के स्वच्छता, सत्य और अहिंसा के विचारों से जोड़ना रहा।

2 अक्टूबर को दीनदयाल सिटी मॉल स्थित फूड कोर्ट, तृतीय तल, शिंदे की छावनी में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का शुभारंभ डॉ. शिखा कट्ठल ने किया। संस्था के अध्यक्ष संजय कट्ठल ने बताया कि आयोजन पूर्णतः निःशुल्क रखा गया था। शहर के विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने उत्साह के साथ प्रतियोगिता में भाग लिया और महात्मा गांधी, लाल बहादुर शास्त्री, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, झांसी की रानी, अहिल्याबाई होलकर, सुभाष चंद्र बोस, स्वामी विवेकानंद, सरोजिनी नायडू, मदर टेरेसा सहित विभिन्न महापुरुषों एवं महान व्यक्तित्वों का रूप धारण किया।

प्रतियोगिता के सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि प्रदीप पहारिया, अध्यक्ष गहोई वैश्य समाज बहत्तर ग्वालियर तथा विशिष्ट अतिथि अनिल नीखरा, उपाध्यक्ष एवं सुधीर रावत, महामंत्री ने विजेता बच्चों को पुरस्कार वितरित किए।

वर्ग अ में सिद्धार्थ कुशवाहा प्रथम : 5 से 8 वर्ष आयु वर्ग में 'अपना मनपसंद कुछ भी' विषय पर आयोजित प्रतियोगिता में सिद्धार्थ कुशवाहा ने प्रथम, अन्या यादव ने द्वितीय और शिवांशी कंकर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अयांश सिंह और जेसिका चौहान को सांत्वना पुरस्कार दिया गया।

वर्ग ब में अधिविका गोयल प्रथम : 9 से 14 वर्ष आयु वर्ग में 'स्वच्छ भारत' विषय पर अधिविका गोयल प्रथम, वीर गुप्ता द्वितीय और शिवांश कंकर तृतीय रहे। कपिध्वज सिंह भदौरिया, मानवी नरवरिया और श्री गुप्ता को सांत्वना पुरस्कार दिया गया।

वर्ग स में आयुषी सेन प्रथम : 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में आयुषी सेन ने प्रथम, स्नेहा नरवरिया ने द्वितीय और विवेक नरवारे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निहारिका कुशवाह, प्रथम बाथम, दीपक सविता, चंचल कुशवाह, पीयूष सिंह चौहान, अंकिता शर्मा और चेतना कुशवाह को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम में संस्था के डॉ. मनीष रस्तोगी, धीरज गोयल, अशोक जैन, राजेश त्रिपाठी, मुकेश गुप्ता सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सेवा सेतु शिविर में मौके पर होगा पीएम सूर्य घर योजना का ऑनलाइन पंजीयन

ग्वालियर जीएनएस

प्रधानमंत्री सूर्य घर ~ मुफ्त बिजली योजना का लाभ अधिक से अधिक नागरिकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, शहर वृत्त ग्वालियर की ओर से सेवा सेतु शिविर आयोजित किए जाएंगे। ये शिविर 5, 6 और 7 अक्टूबर को दीनदयाल नगर स्थित मंगल भवन में लगाए जाएंगे। शिविर में इच्छुक नागरिकों को योजना की जानकारी देने के साथ मौके पर ही ऑनलाइन आवेदन एवं पंजीयन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। शिविर में जिला प्रशासन, विद्युत वितरण कंपनी, बैंक अधिकारियों और अधिकृत विक्रेताओं के समन्वय से हितग्राहियों को योजना का लाभ लेने की प्रक्रिया समझाई जाएगी। नागरिकों को योजना की पात्रता, आवश्यक दस्तावेज और सौर संयंत्र स्थापना की प्रक्रिया के संबंध में भी जानकारी दी जाएगी। बैंक प्रतिनिधियों द्वारा सौर संयंत्र लगाने के लिए ऋण सुविधा तथा इसके लिए आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी जाएगी। विद्युत वितरण कंपनी ने नागरिकों से अपील की है कि वे शिविर में पहुंचकर योजना की जानकारी प्राप्त करें और पात्रता के अनुसार मौके पर ही अपना ऑनलाइन पंजीयन कराएं।

343 चालान बनाए, 1.50 लाख रुपए समन शुल्क वसूला

हेलमेट-सीट बेल्ट नहीं लगाने वालों पर यातायात पुलिस की कार्रवाई

ग्वालियर जीएनएस

पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा संचालित 10 दिवसीय विशेष अभियान के तहत यातायात पुलिस ग्वालियर ने शहर में यातायात नियमों का पालन कराने के लिए सघन चेकिंग और जागरूकता अभियान चलाया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजावल जग्गा के निर्देश और उप पुलिस अधीक्षक यातायात अजीत सिंह चौहान के मार्गदर्शन में की गई कार्रवाई में हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग नहीं करने वाले वाहन चालकों पर चालानी कार्रवाई की गई।

यातायात पुलिस ने अभियान के दौरान करीब 343 चालान बनाए और 1,50,500 रुपए समन शुल्क वसूल किया। वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने की समझाइश भी दी गई। चेकिंग के दौरान नियमों का उल्लंघन कर चलाए जा रहे मॉडिफाइड थार (ब्लैक फ्लेम) और अवैध रूप से लगाए गए हूटर के खिलाफ भी वैधानिक कार्रवाई की गई। गंभीर यातायात नियम उल्लंघन करने वाले 50 वाहन चालकों के लाइसेंस निरस्त अथवा निलंबित करने के लिए क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय ग्वालियर को प्रस्ताव भेजा गया।

विद्यार्थियों को दिलाई यातायात नियमों की शपथ : अभियान के तहत सरस्वती शिशु मंदिर (सीबीएसई), केदारधाम, केदारपुर में यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने की शपथ दिलाई गई।

अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर 75 वर्ष से अधिक आयु के 38 बुजुर्ग सम्मानित, 700 से अधिक वरिष्ठ नागरिक हुए शामिल

संस्कारों के संरक्षक और अनुभव की अनमोल पूंजी हैं बुजुर्ग : चौधरी

ग्वालियर जीएनएस

अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर वरिष्ठ नागरिक सेवा संस्थान, ग्वालियर की ओर से जैन छात्रावास, हॉस्पिटल रोड स्थित सभागार में वृद्धजन सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 75 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 38 बुजुर्गों का सम्मान किया गया। समारोह में 700 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी ने कहा कि समाज, परिवार और राष्ट्र के निर्माण में वृद्धजनों का महत्व अतुलनीय है। वे केवल उम्र में बड़े नहीं हैं, बल्कि जीवन की नींव, संस्कारों के संरक्षक और अनुभव की अनमोल पूंजी हैं। जिस प्रकार मजबूत पेड़ के लिए जड़ें जरूरी होती हैं, उसी प्रकार सुखी परिवार और आदर्श समाज के लिए बुजुर्गों का होना आवश्यक है।

उन्होंने बुजुर्गों के लिए नगर निगम और राज्य शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि समग्र आईडी, वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन या अन्य हितलाभ प्राप्त करने में किसी प्रकार की परेशानी हो तो वे सीधे उनसे संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने स्वच्छता का संदेश देते हुए खुले में कचरा नहीं डालने और आसपास का वातावरण स्वच्छ रखने का संकल्प भी दिलाया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजावल जग्गा विशिष्ट अतिथि रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता सामाजिक न्याय विभाग की संयुक्त संचालक एवं संयुक्त कलेक्टर शिवांगी अग्रवाल ने की। मुख्य वक्ता बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति प्रो. आर.जे. राव और चेंबर के पूर्व अध्यक्ष जीडी लड्ढा ने कहा कि बुजुर्गों ने जीवन में अनेक उतार-चढ़ाव, सफलताएं और असफलताएं देखी हैं। उनका अनुभव नई पीढ़ी को कठिन परिस्थितियों में सही निर्णय लेने और चुनौतियों का सामना करने की राह दिखाता है। युवाओं के पास ऊर्जा है तो बुजुर्गों के पास अनुभव की दृष्टि है। दोनों का समन्वय परिवार और समाज को सही दिशा दे सकता है।

गीता, योग और व्यक्तित्व विकास पर व्याख्यान : कार्यक्रम में अखिल भारतीय विश्व गीता प्रतिष्ठानम के राष्ट्रीय महामंत्री विष्णु नारायण तिवारी ने श्रीमद्भगवद्गीता के महत्व पर व्याख्यान दिया। भारतीय योग संस्थान के मध्यभारत प्रांत प्रमुख लक्ष्मण सिंह परिहार ने योग के लाभ बताए। व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण संस्थान की प्रमुख रेखा गुप्ता ने वृद्धावस्था को सुखमय बनाने के उपाय बताए। सतीश सेठ ने काव्य पाठ किया।

बिरला अस्पताल की ओर से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया, जिसमें मधुमेह और रक्तचाप सहित विभिन्न स्वास्थ्य जांच की गई। चिकित्सकों ने परामर्श देने के साथ दवाएं भी वितरित कीं।

2004 से बुजुर्गों की सेवा में संस्थान : दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। संस्थान के अध्यक्ष इंजीनियर एसके गुप्ता ने स्वागत भाषण में बताया कि वर्ष 2004 में स्थापना के बाद से संस्था लगातार वरिष्ठ नागरिकों की सेवा के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित कर रही है। अतिथियों का स्वागत इंजीनियर एसके गुप्ता, संयुक्त अध्यक्ष मुकेश जैन, अशोक कुमार गुप्ता, राजपाल खुराना और मंजू राजावत ने किया। संचालन एमके जैन ने किया। समारोह का समापन स्नेह भोज के साथ हुआ।

आंगन मिलन समारोह में मातृशक्ति का सम्मान, किया पौधरोपण

ग्वालियर जीएनएस। सेवा संकल्प अभियान के तहत गुरुवार को आंगनबाड़ी केंद्र मोतीझील में आंगन मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्वालियर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष सुधीर गुप्ता रहे, जबकि संयोजन बबीता सेन ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बच्चों के अभिभावक एवं परिवारजन शामिल हुए। मुख्य अतिथि सुधीर गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री मोहन यादव की अगुवाई में आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों के पोषण, आहार और टीकाकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही प्रत्येक बच्चे को विद्यालय से जोड़ने के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं।

कार्यालय आयुक्त, नगर पालिक निगम, ग्वालियर

क्र. 01/26/2/10/खेल/2026/ ग्वालियर, दिनांक 01.10.2026

।। संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना ।।

नगर पालिक निगम, ग्वालियर की ओर से स्वीकृत खेल विभाग अन्तर्गत टेण्डर क्रमांक 2026_UAD_539852_1 जिसकी अनुमानित लागत राशि रूपये 5,73,252/- हेतु U.A.D.D. S.O.R. पर दिनांक 30.09.2026 से दिनांक 16.10.2026 तक कार्यालय आयुक्त, नगर निगम, ग्वालियर में म.प्र. लोक निर्माण विभाग (केन्द्रीयकृत पद्धति) में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार/फर्म से ई-टेण्डर के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी http://mptenders.gov.in पर प्रदर्शित की गयी है।

नोडल अधिकारी, खेल विभाग
नगर निगम, ग्वालियर

आर.ओ. क्र. 665, दिनांक 01.10.2026

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक रामकिशन तायल 'फौजी' ने श्रमसाधना प्रिन्टर्स, भगवती निवास पारखजी का बाड़ा दौलतगंज, ग्वालियर से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक : महेश तायल समाचार चयन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत अधिकृत
e.mail- Shramsadhnagwl@gmail.com ph. 0751-2625029, 98270 17078, 9425007142 समाचार पत्र में प्रकाशित सभी आलेखों में लेखकों के अपने विचार हैं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर होगा।